संध्या दैनिक
भारत मत

ग्वालियर | भोपाल
अधि. 32.0 | अधि. 32.0
न्यून. 19.0 | न्यून. 22.0

Web : www.bharatmatepaper.com

▪ग्वालियर ▪भोपाल ▪झाँसी से एक साथ प्रकाशित

झांसी, रविवार 05 अप्रेल 2026 वैशाख शुक्लपक्ष-3, संवत 2083, वर्ष-11 अंक-212 कुल पृष्ठ-8

मूल्य-₹ 2.00

Email: editorbharatmat@gmail.com

अमेरिका और इजराइल के लिए बड़ा सरप्राइज तैयार

ईरान बोला- हमें हराने का सपना दलदल बन चुका है, जिसमें अमेरिका फंसता जा रहा

तेहराहन/वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान के एक सुरक्षा अधिकारी ने अमेरिका और इजराइल को चेतावनी देते हुए कहा, हमारे पास अमेरिका और इजराइल के लिए बड़ा सरप्राइज है, बस थोड़ा इंतजार करना होगा। फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, उन्होंने अमेरिका के निशानों को गलत बताया और पुलों पर हमले की ट्रम्प की धमकी को मजाकिया कहा। उन्होंने कहा कि यह धमकियां

अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की नाकामी को दिखाती है। वहीं, ईरानी अधिकारियों ने कहा कि अगर हमले बढ़ाए गए, तो अमेरिका का हाल नर्क से भी बुरा हो सकता है। खातम अल-अनबिया के प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फागारी ने कहा, ईरान को हराने का सपना अब एक दलदल बन चुका है, जिसमें अमेरिका और इजराइल फंसते जा रहे हैं।÷ ईरान में शनिवार को महशहर पेट्रोकेमिकल स्पेशल इकोनॉमिक जोन पर हुए हमले में 5 लोगों की मौत हो गई और 170 से ज्यादा लोग घायल हुए।

अमेरिका ने ईरान में लापता एयरमैन को सुरक्षित बचाया: ट्रम्प ने रविवार को दावा किया है कि ईरान में लापता हुए अमेरिकी अधिकारी को सफलतापूर्वक बचा लिया गया है। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट पर बताया कि यह अधिकारी एक कर्नल थे, जो F-15E लड़ाकू विमान गिराए जाने के बाद लापता हो गए थे। उन्होंने कहा, 'हमने उसे बचा लिया। पिछले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ने अपने इतिहास के सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशनों में से एक को अंजाम दिया।' इससे एक दिन पहले उसी मिशन में एक और अमेरिकी पायलट को बचाया गया था। दूसरे ऑपरेशन को गोपनीय रखा गया ताकि दूसरे एयरमैन की लोकेशन खतरे में न पड़े।

एलपीजी संकट से मिलेगी बड़ी राहत!

होर्मुज के 'चक्रव्यूह' से निकले 8 भारतीय जहाज, 14 जहाजों को निकालने की तैयारी

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और ईरान युद्ध की विभीषिका के बीच भारत के लिए राहत भरी खबर आई है। रणनीतिक रूप से दुनिया के सबसे संवेदनशील जलमार्ग स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने में भारत ने चीन और पाकिस्तान जैसे देशों को पीछे छोड़ दिया है। शनिवार को भारत का आठवां जहाज ग्रीन सान्वी सुरक्षित बाहर निकल गया, जिससे देश में गहराते एलपीजी संकट को थामने में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है। वैश्विक एजेंसियों की रिपोर्ट के अनुसार, युद्ध की स्थिति के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य में इस समय विभिन्न देशों के लगभग 300 जहाज फंसे हुए हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या चीन की है, जिसके 60 से 70 जहाज अटके हुए हैं। हालांकि, ईरान के साथ बेहतर कूटनीतिक संबंधों का लाभ भारत को मिलता दिख रहा है।

आज भी ओले गिरने की चेतावनी:13 जिलों में आंधी-बारिश का भी अलर्ट

बदला मौसम का मिजाज, MP-CG समेत कई राज्यों में ओले और तेज बारिश का अलर्ट; किसानों को चेतावनी

नई दिल्ली/भोपाल

अप्रैल की शुरुआत में ही उत्तर भारत का मौसम अचानक बदल गया है। सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से स्क्क छ्त्त, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी और ओलावृष्टि देखने को मिल रही है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। आज छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में मध्यम से भारी बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई गई है। दोपहर और शाम के समय गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है। ध्य प्रदेश में प्रेरित चक्रवात के प्रभाव से कई जिलों में ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया गया है, जो 7 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। वहीं छत्तीसगढ़ में अगले 24 घंटों के दौरान गरज-चमक, अंधड़ और वज्रपात की संभावना है। प्रदेश में कल से एक नया सिस्टम एक्टिव होगा। इसके असर से 13 जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश और ओले गिरने का अलर्ट है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से शनिवार को भी कई जिलों में देर शाम घने बादल छाए, तेज हवा चलने के साथ बारिश और ओले गिरे। उदयपुर में 32रूरू से ज्यादा बरसात हुई।

पूरे महीने जारी रह सकता है असर

मौसम विभाग के अनुसार, अप्रैल महीने में रुक-रुककर बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है। दो से तीन दिन मौसम साफ रहने के बाद फिर बारिश और आंधी का दौर देखने को मिल सकता है। पश्चिमी विक्षोभ की लगातार सक्रियता हिमालयी क्षेत्रों में नमी बढ़ा रही है, जिससे मैदानी इलाकों में मौसम तेजी से बदल रहा है।

अप्रैल के मौसम से जुड़े 3 सवाल और उनके जवाब

क्यों गिरे ओले- अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से एक साथ नमी पहुंची। वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय रहा। पंजाब और छग के आसपास चक्रवाती सिस्टम बना। इन सभी सिस्टम के एक साथ एक्टिव होने से ओलावृष्टि हुई।

दोपहर बाद ही आंधी-ओले-बारिश क्यों: विक्षोभ एक्टिव होने के बाद अमूमन दोपहर बाद ही आंधी चलती है और बारिश होती है। दरअसल, विक्षोभ सक्रिय होने के बाद एक सर्क्युलेटरी सिस्टम बना। दिन में बढ़ता तापमान इस सिस्टम को एनर्जी देने का काम करता है, इसलिए दोपहर बाद ही ओले-बारिश का दौर शुरू होता है।

गर्मी का असर कब और कितना: 15 अप्रैल के बाद मौसम स्थिर होगा। उत्तर-पश्चिम से लेकर मध्य और पूर्वी भारत में गर्मी धीरे-धीरे बढ़ेगी। हालांकि, गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान में अप्रैल में लू के दौर छोटे रहेंगे।

फसलों को भारी नुकसान

हरियाणा के भिवानी, हिसार, रोहतक और सोनीपत में भारी ओलावृष्टि से सरसों और गेहूं की फसल को 50 प्रतिशत तक नुकसान हुआ है। उत्तर प्रदेश के मथुरा, अलीगढ़ और हाथरस में भी आलू और गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। प्रशासन ने नुकसान के आकलन के निर्देश दिए हैं।

तेज हवाओं का अलर्ट

मौसम विभाग ने 5 अप्रैल तक 40-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। तापमान में भी 3 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है।

किसानों के लिए सलाह

किसानों को कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थान पर रखने और फिलहाल सिंचाई व कीटनाशक छिड़काव टालने की सलाह दी गई है। मौसम 6 अप्रैल के बाद साफ होने की संभावना है।

6 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट: अप्रैल के पहले हफ्ते में तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव, इससे

देश के उत्तरी इलाकों में अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान 40एष्ट के आसपास रहता है। कई राज्यों में लू चलती है। दक्षिणी और समुद्र किनारे बसे राज्यों में उमस भरा मौसम रहता है। लेकिन इस बार पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। तटीय राज्यों में बारिश, मैदानी इलाकों में ओले गिर रहे हैं। तापमान भी 35एष्ट से कम या आसपास है। इसका कारण है लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस)। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मार्च-अप्रैल में अमूमन इतने ज्यादा विक्षोभ नहीं बनते। इनका असर उत्तर भारत में देखने को मिलता है। इस बार इनकी पोजिशन उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में है। इसे अरब सागर के साथ बंगाल की खाड़ी से भरपूर नमी मिली और जमकर आंधी-बारिश हुई। अकेले मार्च में देश पर 8 पश्चिमी विक्षोभों का असर पड़ा, जबकि सामान्य तौर पर यह संख्या 5 या 6 होती है। 13 मार्च से अब तक 6 पश्चिमी विक्षोभ आ चुके हैं। 6 अप्रैल को एक नया सिस्टम बनेगा। इसका असर आज से शुरू हो गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। झारखंड में ओले-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

मप्र: बैतूल के मुलताई में सड़कों पर बिछे ओले, कश्मीर जैसा नजारा: ग्वालियर समेत 27 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

प्रदेश में ओले-बारिश और आंधी का स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव है। शनिवार को बैतूल, श्योपुर, मुरैना समेत 8 से 10 जिलों में ओले गिरे। इससे कश्मीर जैसा नजारा देखने को मिला। 20 से ज्यादा जिलों में तेज आंधी-बारिश भी हुई। रविवार को भी ऐसा ही मौसम रहेगा। ह्रस्ष्ठ (मौसम केंद्र) ने ग्वालियर समेत 27 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है।

स्टालिन का NDA को चैलेंज- हिम्मत है तो तमिलनाडु में 3-लैंग्वेज पॉलिसी का ऐलान करें

मोदी आज बंगाल में चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे

कोलकाता, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को कूचबिहार में रैली के साथ पश्चिम बंगाल में भाजपा के चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। वे दोपहर में रास मेला मैदान में आयोजित 'बिजॉय संकल्प सभा' को संबोधित करेंगे। रैली में मोदी 'विकसित बंगाल' का विजन पेश करेंगे और शासन, कानून-व्यवस्था और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर ञ्जरूष्ट सरकार को घेर सकते हैं। यह विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद राज्य में उनकी पहली चुनावी रैली होगी। मोदी ने आखिरी बार 14 मार्च को राज्य का दौरा किया था, जहां उन्होंने कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक रैली को संबोधित किया था और लगभग 18,680 करोड़ की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। इधर, तमिलनाडु सीएम स्टालिन ने चुनावी रैली में NDA को खुली चुनौती दी। कहा- अगर पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह और शिक्षा मंत्री प्रधान में हिम्मत है तो वे चुनाव प्रचार के दौरान राज्य में 3-भाषा नीति लागू करने की घोषणा करें। TMC सांसद महुआ मोइत्रा के गुजराती समुदाय पर दिए बयान से पार्टी ने किनारा कर लिया है। पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पार्टी इस तरह के विचारों का समर्थन नहीं करती। दरअसल, मोइत्रा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- बंगालियों ने आजादी की लड़ाई में नेतृत्व किया। गुजराती कौन थे? क्या आप एक भी गुजराती का नाम बता सकते हैं, सिवाय वीर सावरकर के, जो माफी पत्र लिखना चाहते थे? उनके इस बयान पर भवानीपुर में तीखी प्रतिक्रिया हुई, जहां गुजराती मतदाता कुल वोटरों का 30 प्रतिशत से अधिक हैं। ममता यहां से चुनाव लड़ रही हैं। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने उम्मीदवारों की 5वीं लिस्ट जारी कर दी है। इसमें पांच उम्मीदवारों के नाम हैं, जबकि तीन सीटों पर उम्मीदवार बदल दिए गए हैं।

अमित शाह ने केरल के बेपोर में रोड शो किया

गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बेपोर विधानसभा क्षेत्र में एक रोड शो किया। जहां 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों से पहले NDA के लिए प्रचार कर रहे BJP नेता का स्वागत करने के लिए हजारों लोग पहुंचे। शाह, शनिवार शाम को कालीकट पहुंचे थे। जहां उन्होंने माथोट्टम बिजिथ जंक्शन से नाडुवट्टम तक रोड शो किया; इस दौरान सैकड़ों ब्छ्वक्क कार्यकर्ता और समर्थक पार्टी के झंडे लिए और भगवा पगड़ियां पहने सड़क के दोनों ओर खड़े थे।

राघव चड्ढा बोले- ये तो ट्रेलर, पिक्चर अभी बाकी है, एक झूठ को 100 बार बोलने पर लोग सच न मान लें

नई दिल्ली, एजेंसी

राघव चड्ढा ने आम आदमी पार्टी के नेताओं की ओर से लगाए गए आरोपों पर आखिरकार चुप्पी तोड़ दी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर इन आरोपों को ÷स्क्रिप्टेड अभियान÷ बताते हुए कहा कि सही समय आने पर हर आरोप का जवाब दिया जाएगा। उन्होंने अपने बयान में कहा, घायल हूं, इसलिए घातक हूंज समय आने पर हर बात का हिसाब होगा। राघव चड्ढा ने ङ्ग पर वीडियो साझा करते हुए कहा कि उनके खिलाफ एक सुनियोजित तरीके से आरोप लगाए जा रहे हैं। शुरुआत में उन्होंने चुप रहने का फैसला किया था, लेकिन बार-बार एक जैसे आरोप लगाए जाने के कारण उन्होंने जवाब देना जरूरी समझा। उन्होंने यह भी कहा कि कई नेताओं द्वारा एक जैसी भाषा में आरोप लगाना इस बात का संकेत है कि यह एक तय रणनीति के तहत किया जा रहा है। पार्टी नेताओं ने उन पर भाजपा के प्रति नरम रुख अपनाने और विपक्ष के साथ मजबूती से खड़े न होने जैसे आरोप लगाए हैं। साथ ही, उन्हें राज्यसभा में डिप्टी लीडर पद से हटाए जाने के बाद यह विवाद और तेज हो गया है।

आरोपों पर एक-एक कर सफाई

1. विपक्ष का साथ नहीं देने का आरोप: राघव चड्ढा ने कहा कि यह आरोप पूरी तरह गलत है। संसद की कार्यवाही के दौरान मौजूद कैमरों की फुटेज से साफ हो जाएगा कि उन्होंने हर बार विपक्ष का साथ दिया है।
2. मुख्य चुनाव आयुक्त पर मोशन में साइन नहीं करने का आरोप: उन्होंने कहा कि उन्हें इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने के लिए कभी कहा ही नहीं गया। साथ ही उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि पार्टी के अन्य नेताओं ने भी इस पर हस्ताक्षर नहीं किए, फिर केवल उन्हें ही निशाना क्यों बनाया जा रहा है।
3. डरने और मुद्दों से भटकने का आरोप: इस आरोप पर उन्होंने कहा कि वह संसद में शोर मचाने के लिए नहीं, बल्कि जनता के मुद्दे उठाने के लिए गए हैं। बेरोजगारी, महंगाई और आम लोगों से जुड़े मुद्दों को उन्होंने लगातार उठाया है।

2 लाख शिक्षकों के भविष्य पर संकट, दिग्विजय सिंह ने सीएम मोहन यादव को लिखा पत्र, TET अनिवार्यता पर पुनर्विचार की मांग की

भोपाल

प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश के शासकीय स्कूलों में कार्यरत दो लाख से अधिक शिक्षकों के हित में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) पर पुनर्विचार करने के लिए कहा है। उन्होंने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के हालिया निर्णय के संदर्भ में राज्य सरकार को रिव्यू पिटीशन या क्यूरेटिव पिटीशन दायर कर टीईटी अनिवार्यता को भूतलक्षी के बजाय भविष्यलक्षी प्रभाव से लागू कराने की मांग करनी चाहिए। परीक्षा में असफल रहने पर

सेवा समाप्ति या सेवानिवृत्ति की स्थिति उत्पन्न हो सकती है, इससे शिक्षक चिंतित हैं।उनका यह भी कहना है कि सुप्रीम कोर्ट का निर्णय महाराष्ट्र से संबंधित था और मध्य प्रदेश इस मामले में पक्षकार नहीं था। इसके बावजूद राज्य में इसे लागू कर दिया गया, जबकि प्रदेश में पहले से ही कर्मचारी चयन मंडल के माध्यम से टीईटी के समान परीक्षा प्रणाली लागू है।

ऋण अदायगी तिथि आगे बढ़ाए सरकार: सिंघार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने किसानों की ऋण अदायगी की अंतिम तिथि बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव को पत्र लिखा है। सिंघार ने कहा है कि प्रदेश में गेहूं खरीदी की प्रक्रिया बार-बार प्रभावित हो रही है और अब तक तीन बार तिथि परिवर्तित की जा चुकी है। बारदानों की कमी के कारण खरीदी कार्य बाधित हो रहा है, जिससे किसान अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बेचने को मजबूर हैं।

अहमदाबाद प्लेन हादसे के पीड़ित परिवारों का पीएम को लेटर: कहा- हम पैसे नहीं, हादसे की वजह जानना चाहते हैं; ब्लैक बॉक्स डेटा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद में एअर इंडिया प्लेन क्रैश के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने पीएम से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। परिजनों ने कहा, हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे

निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था। इस हादसे में 241 यात्री और 19 अन्य लोगों समेत कुल 260 लोगों की मौत हुई थी।

पायलट को दोषी ठहराने वाली रिपोर्ट गलत

AAIB ने 12 फरवरी को बताया था कि अहमदाबाद प्लेन क्रैश की जांच अभी भी जारी है। AAIB ने इटली के नामी अखबार कोरिएरे डेला सेरा की उस रिपोर्ट को गलत बताया जिनमें घटना के लिए पायलट को दोषी ठहराए जाने की बात कही गई थी। इटली के अखबार ने अज्ञात सूत्रों का हवाला देते हुए बताया था कि जांचकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि हादसा किसी तकनीकी खराबी के कारण नहीं हुई थी। बल्कि पायलट ने जानबूझकर फ्यूल स्विच बंद कर दिया था।

परिवारों का आरोप- वेबसाइट पर मृतकों के सामान की साफ फोटो नहीं

पीड़ित परिवारों ने PM को लिखे लेटर में एअर इंडिया की तरफ से मदद की कमी का आरोप लगाया। हादसे में अपनी मां को खोने वाली किंजल पटेल ने एअर इंडिया की वेबसाइट के इस्तेमाल में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया, जहां पीड़ितों के सामान की पहचान करनी होती है। उन्होंने कहा, वेबसाइट पर 25,000 से ज्यादा सामानों की लिस्ट हैं, लेकिन तस्वीरें साफ नहीं हैं। इससे कुछ भी ढूंढ पाना या पहचान कर पाना लगभग नामुमकिन है। वहीं अपनी मां, भाई और बेटी को खोने वाले खेड़ा के रोमिन वोरा ने बताया कि डिजिटल साधनों की जानकारी न होने के कारण कई परिवारों को परेशानी हो रही है।उन्होंने कहा, ऋसिर्फ एक ईमेल आईडी है और जवाब आने में 15 दिन तक लग जाते हैं। गांव के कई लोग ईमेल इस्तेमाल करना भी नहीं जानते। उन्होंने यह भी कहा कि वेबसाइट पर निजी सामान को सार्वजनिक रूप से दिखाना असंवेदनशील है।

, सीएम योगी का बड़ा एलान

81000 से अधिक पदों पर सीधी भर्ती का रास्ता साफ

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिस विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में युवाओं के लिए रोजगार और प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि इस साल पुलिस विभाग में 81,000 से अधिक पदों पर सीधी भर्तियां की जाएंगी। इनमें उपनिरीक्षक , आरक्षी नागरिक पुलिस , रेडियो सहायक परिचालक, कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड-ए और गोपनीय श्रेणी के पद शामिल हैं।सीएम ने पुलिस

भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड को इन नियुक्तियों में पूर्ण पारदर्शिता और आरक्षण नियमों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए तकनीक और डेटा आधारित पेट्रोलिंग को बढ़ावा दिया जाएगा।

कन्याभोज में 6 साल की बच्ची से अश्लील हरकत, आरोपी गिरफ्तार, महिलाओं ने किया चक्काजाम

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

रेरा हिल्स थाना क्षेत्र में रामनवमी के पावन पर्व पर कन्या भोज के दौरान एक हैरान कर देने वाली वारदात सामने आई है। 60 वर्षीय एक व्यक्ति पर 6 साल की मासूम बच्ची के साथ अश्लील हरकत (बैड टच) करने का आरोप लगा है। घटना की जानकारी होते ही इलाके में आक्रोश फैल गया और गुस्साई महिलाएं सड़कों पर उतर आईं।

मिली जानकारी के अनुसार, रामनवमी के अवसर पर आयोजित कन्या भोज के दौरान आरोपी ने मासूम बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने घर बुला लिया। वहां जाकर उसने बच्ची के साथ बेड टच की हरकत की गई। घटना के अगले दिन जब बच्ची ने रोते हुए अपने परिजनों को पूरी वारदात बताई, तो परिवार के होश उड़ गए।

आरोपी गिरफ्तार

परिजनों की शिकायत पर अरेरा हिल्स थाने ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया। देर रात पुलिस ने आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार भी कर लिया।

गुस्साई महिलाओं का विरोध प्रदर्शन

गिरफ्तारी के बावजूद इलाके की महिलाएं गुस्से में हैं। प्रदर्शनकारी महिलाएं थाने के सामने वाली मुख्य सड़क (रोशनपुरा से जहांगीराबाद जाने वाली मार्ग) पर जाम लगाकर बैठ गईं। महिलाओं ने थाना प्रभारी को घेरते हुए आरोपी के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई और फांसी की सजा की मांग को लेकर नारेबाजी की। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

लोकतंत्र पर हमला और किसानों की समस्या को लेकर कांग्रेस करेगी प्रदेश व्यापी आंदोलन

जीतू पटवारी ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप, मंडियों में प्रदर्शन और भोपाल में उपवास की घोषणा

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा प्रकरण, किसानों की बदहाल स्थिति और सरकार की कार्यप्रणाली को लेकर प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश में लोकतंत्र का मूल आधार जनता का विश्वास लगातार कमजोर होता जा रहा है, जो बेहद चिंताजनक है।

पटवारी ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को न्याय के लिए 60 दिनों का समय दिए जाने के बावजूद, विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने आधी रात को सचिवालय खुलवाकर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया का उल्लंघन बताते हुए सत्ता के दबाव में की गई कार्रवाई करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने नरोत्तम मिश्रा के खिलाफ पेड न्यूज मामले में कार्रवाई न होने को लेकर भी सरकार के दोहरे मापदंडों पर सवाल उठाए।

किसानों के मुद्दे पर सरकार घिरी

किसानों की स्थिति को लेकर पटवारी ने कहा कि किसान कल्याण वर्ष दरअसल किसान शोषण वर्ष बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में खाद की कमी से किसान परेशान हैं और लंबी लाइनों में खड़े होने को मजबूर हैं। इस दौरान महिलाओं के साथ धक्का-मुक्की और बुजुर्गों की मौत तक की घटनाएं सामने आई हैं। उन्होंने भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि किसानों के लिए

निर्धारित 50 प्रतिशत राशि खर्च नहीं की गई, जो सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करती है।

बारदाना संकट और खरीदी में देरी पर सवाल

पटवारी ने गेहूं खरीदी में देरी और बारदाना संकट को लेकर भी सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में 10 करोड़ बारदाने की आवश्यकता थी, लेकिन सरकार ने केवल 2.6 करोड़ का ही आवेदन किया, जिससे भारी कमी पैदा हुई। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह संकट किसी युद्ध का नहीं, बल्कि सरकार की लापरवाही का परिणाम है। उन्होंने कहा कि खरीदी तिथियां लगातार आगे बढ़ाई जा रही हैं, जिससे किसानों को अपनी उपज औने-पौने दामों पर बेचनी पड़ रही है और बड़ी संख्या में किसान कर्जदार हो गए हैं।

समर्थन मूल्य पर वादाखिलाफी

पटवारी ने आरोप लगाया कि सरकार ने गेहूं, धान और सोयाबीन के समर्थन मूल्य को लेकर किए गए वादे भी पूरे नहीं किए। उन्होंने कहा कि सरकार केवल विज्ञापनों में घोषणाएं करती है, जबकि जमीनी स्तर पर किसान परेशान हैं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसान संकट में हैं, जबकि मुख्यमंत्री अन्य राज्यों में राजनीतिक कार्यक्रमों में व्यस्त हैं।

कांग्रेस का आंदोलन ऐलान

कांग्रेस ने किसानों के समर्थन में प्रदेशभर की मंडियों में प्रदर्शन करने की घोषणा की है। भोपाल में पार्टी कार्यकर्ता एक दिन का उपवास रखेंगे और कृषि मंत्री के निवास के बाहर धरना देंगे।

लोकतंत्र पर खतरे की चेतावनी

पटवारी ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं करेगी। इस दौरान मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, विधायक फूल सिंह बरैया और वरिष्ठ नेता जेपी धनोपिया सहित कई कांग्रेस नेता उपस्थित रहे।

गेहूं खरीदी में देरी पर सरकार घिरी, किसानों को हो रहा नुकसान

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने लगाए गंभीर आरोप, तत्काल खरीदी शुरू करने की मांग

मध्य प्रदेश में गेहूं खरीदी में हो रही देरी को लेकर राजनीति तेज हो गई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने राज्य सरकार पर किसानों की अनदेखी और व्यापारियों को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया है। उन्होंने खरीदी प्रक्रिया में लगातार हो रही देरी को किसान-विरोधी और असंवेदनशील करार दिया है। अजय सिंह ने कहा कि प्रदेश का किसान पहले ही प्राकृतिक आपदाओं, बढ़ती लागत और कर्ज के बोझ से परेशान है। ऐसे समय में सरकार द्वारा गेहूं खरीदी को टालना किसानों की मुश्किलें और बढ़ा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि समर्थन मूल्य पर उपज बेचने की उम्मीद लगाए बैठे किसानों को मजबूरी में कम दाम पर व्यापारियों को गेहूं बेचना पड़ रहा है, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कई किसान बैंक से लिए गए कर्ज के कारण डिफाल्टर होने की स्थिति में पहुंच गए हैं। सरकार द्वारा बारदाने की कमी का हवाला देकर खरीदी में देरी करना भी उन्होंने सवालों के घेरे में रखा। उनका कहना है कि जब बाजार में व्यापारियों के पास पर्याप्त बारदाना उपलब्ध है, तो सरकार किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी क्यों नहीं कर पा रही है। अजय सिंह ने यह भी उल्लेख किया कि राजस्थान समेत अन्य राज्यों में गेहूं खरीदी पहले ही शुरू हो चुकी है, जबकि मध्यप्रदेश में अब तक किसानों को इंतजार करना पड़ रहा है। इससे यह संदेह उत्पन्न होता है कि सरकार जानबूझकर देरी कर व्यापारियों को लाभ पहुंचा रही है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की है कि तत्काल गेहूं खरीदी शुरू की जाए, सभी किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित की जाए, खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए, बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था की जाए और भुगतान प्रक्रिया को समयबद्ध बनाया जाए। अजय सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही खरीदी शुरू नहीं की गई, तो यह स्पष्ट हो जाएगा कि सरकार किसानों के बजाय व्यापारिक हितों को प्राथमिकता दे रही है।

मानहानि केस में हाईकोर्ट पहुंचे राहुल गांधी

शिवराज के परिवार से होगा आमना-सामना

एमपी-एमएलए कोर्ट के समन को दी चुनौती, एक सप्ताह बाद होगी सुनवाई

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

मध्यप्रदेश की सियासत में एक बार फिर बड़ा कानूनी मामला सामने आया है, जिसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के परिवार के बीच कानूनी टकराव तेज हो गया है। मानहानि से जुड़े इस मामले में राहुल गांधी ने भोपाल स्थित एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा जारी समन को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

हाईकोर्ट में जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने प्रारंभिक सुनवाई के बाद मामले को एक सप्ताह के लिए स्थगित कर दिया है। अब इस प्रकरण की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी, जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

2018 की चुनावी सभा से शुरू हुआ विवाद

यह पूरा मामला 29 अक्टूबर 2018 को झाबुआ में आयोजित एक चुनावी सभा से जुड़ा है। उस दौरान राहुल गांधी ने पनामा पेपर लीक का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री के बेटे कार्तिकेय सिंह चौहान का नाम लिया था। हालांकि बाद में राहुल गांधी ने इसे भ्रम बताया, लेकिन कार्तिकेय ने इसे अपनी छवि धूमिल करने की साजिश बताते हुए आपराधिक मानहानि का केस दर्ज कराया।

एमपी-एमएलए कोर्ट से जारी हुए समन

कार्तिकेय सिंह चौहान ने 30 अक्टूबर 2018 को भोपाल की विशेष अदालत में परिवाद दायर किया था। लंबी सुनवाई के बाद 27 फरवरी 2025 को एमपी-एमएलए कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी को समन जारी किया और 9 मई 2025 को पेश होने के निर्देश दिए।

निर्धारित तिथि पर उपस्थित नहीं होने पर अदालत ने 10 मई 2025 को दूसरा समन जारी किया और 28 अगस्त 2025 की नई तारीख तय की।

हाईकोर्ट में चुनौती

अब राहुल गांधी ने निचली अदालत की कार्यवाही और समन को रद्द करने की मांग को लेकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी, जिससे प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

भोपाल में फर्जी अस्पतालों पर पोस्टर वॉर

एनएसयूआई ने स्वास्थ्य सेवाओं पर खड़े किए सवाल

- फर्जी अस्पताल खोलने के लिए संपर्क करें 'नट्टू शर्मा' लिखकर सवाल खड़े किए
- सीएमएचओ बोले- आरोप निराधार, राजनीतिक विरोध

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

राजधानी में फर्जी अस्पतालों के मुद्दे ने तूल पकड़ लिया है। एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य संचालनालय, आयुष्मान कार्यालय और सीएमएचओ कार्यालय के बाहर पोस्टर चिपकाकर प्रशासन पर सीधा हमला बोला है।

पोस्टर पर लिखा था- भोपाल में फर्जी अस्पताल खोलने के लिए संपर्क करें-नट्टू शर्मा और फर्जी निरीक्षण रिपोर्ट बनाने के लिए संपर्क करें टीम नटवरलाल। इसके जरिए संगठन ने सीधे सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा को टारगेट किया है।

एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने आरोप लगाया कि भोपाल में कई अस्पताल कागजों पर डॉक्टर और स्टाफ दिखाकर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, बार-बार शिकायत के

बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही। यह साबित करता है कि फर्जी अस्पतालों का एक संगठित नेटवर्क सक्रिय है। वहीं, सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कहा कि यह विरोध राजनीतिक उद्देश्य से किया जा रहा है। उन्होंने कहा, लगातार निरीक्षण हो रहे हैं और फर्जी अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई जारी है। कई मामलों में कोर्ट में परिवाद भी दायर किए जा चुके हैं। पोस्टर लगाने को उन्होंने भ्रामक और अनुचित करार दिया। एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने कहा कि इसका सबसे ज्यादा नुकसान आम मरीजों को हो रहा है। ग्रामीण इलाकों से आने वाले मरीज कथित फर्जी अस्पतालों के जाल में फंस रहे हैं, जहां न योग्य स्टाफ है और न ही सुविधाएं। फिलहाल, पोस्टर सोशल मीडिया पर वायरल हो गए हैं, जिसके बाद स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

पंचशील नगर में सरकारी स्कूल के बाहर नशाखोरी

छात्राओं में डर का माहौल

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

पंचशील नगर स्थित शासकीय नूतन सुभाष उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के बाहर का माहौल इन दिनों बेहद चिंताजनक बना हुआ है। स्कूल के आसपास नशाखोरों और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा छात्रों, खासकर छात्राओं के लिए खतरा बन गया है।

स्कूल की एक छात्रा ने बताया कि रोजाना स्कूल आते-जाते समय रास्ते में नशे में धुत लोग फब्तियां कसते हैं, जिससे डर का माहौल बना रहता है। हालात ऐसे हैं कि कई अभिभावक अपने बच्चों को स्कूल भेजने से कतराने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में करीब 600 से अधिक छात्र-छात्राएं स्कूल छोड़ चुके हैं। छात्राओं की संख्या घटकर महज 12-15 रह गई है। पहले जहां इस स्कूल में लगभग 800 छात्र पढ़ते थे, वहीं अब यह संख्या घटकर करीब 200 रह गई है।

स्कूल के बाहर असुरक्षा का माहौल

स्कूल के गेट के बाहर मीट और बार्बर शॉप्स की कतार है, जहां दिनभर भीड़ और नशाखोरी देखने को मिलती है। पास में ही युवकों का जमावड़ा लगा रहता है, जो खुलेआम गांजा और सिगरेट पीते नजर आते हैं। शाम के समय सड़क किनारे शराब पीना आम बात हो गई है।

छात्राओं में डर का माहौल

छात्राओं ने बताया कि कई बार उनके साथ अभद्र टिप्पणियां की गईं और एक बार पटाखे जलाकर डराने की घटना भी सामने आई। दृष्टिहीन छात्रों के साथ भी बदसलूकी की शिकायतें सामने आई हैं।

स्कूल परिसर में भी घटनाएं

स्कूल परिसर में चोरी, तोड़फोड़ और असामाजिक गतिविधियों के मामले भी सामने आए हैं। कुछ मामलों में छात्रों को चाकू दिखाकर पैसे लूटने और शिक्षकों के साथ अभद्रता की घटनाएं भी हुई हैं।

चौकी और सजग पुलिस

पंचशील नगर स्कूल के निकट ही एक पुलिस चौकी भी नाम मात्र की बनी हुई है जो चौकी कम और कब्जा किया हुआ कमरा ज्यादा लगता है। हास्यास्पद तो यह है कि आज तक कभी उस चौकी में किसी पुलिस वाले ने बैठने की जेहमत तक नहीं उठाई। और आसपास के इलाके में खुलेआम गुंडागर्दी और दहशत का माहौल बना रहता है जिसके नतीजे ऐसी घटनाओं के तौर पर आए दिन सुनने में मिलते हैं।

प्रबंधन और स्थानीय लोगों की चिंता

स्कूल प्रबंधन का कहना है कि कभी प्रतिष्ठित रहा यह संस्थान अब अपनी पहचान बचाने की लड़ाई लड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्कूल के आसपास अतिक्रमण हो गया है और असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता है। शिकायतें प्रशासन तक पहुंचने के बावजूद अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। स्कूल के बाहर बढ़ती नशाखोरी और असुरक्षा ने शिक्षा के माहौल को बुरी तरह प्रभावित किया है। अब जरूरत है कि प्रशासन तत्काल सख्त कदम उठाए, ताकि छात्रों को सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके।

कोयला खदान में चोरी करते 4 आरोपी रंगेहाथों गिरफ्तार, 75 हजार का माल जब्त

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

रामनगर पुलिस ने खदान में चोरी करते 4 आरोपियों को रंगेहाथों गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 75,000 रुपए मूल्य का माल जब्त किया गया है।

थाना रामनगर क्षेत्र के अमाडांड़ ओसीएम खदान में सुरक्षा प्रभारी संजय कुमार मिश्रा द्वारा सूचना दी गई कि बीती रात करीब 2:30 बजे अज्ञात व्यक्ति स्टोर में रखी केबल चोरी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी सुमित कौशिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपियों को चोरी करते समय ही पकड़ लिया।

गिरफ्तार आरोपियों में जैनुल आबेदीन (36), मोहम्मद साकिल (25), जलेश्वर चौधरी (35) निवासी कोतमा एवं रामदास निवासी मलगा (42) शामिल हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक एंड्रॉइड मोबाइल, दो कीपैड मोबाइल, एक मोटरसाइकिल (टीवीएस स्पोर्ट्स, कीमत करीब 70,000 रुपए व लगभग 5-7 मीटर कॉपर केबल (कीमत करीब 5,000 रुपए) जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 91/26 के तहत धारा 331(4), 305(इ) , 3(5) बीएनएस में मामला दर्ज कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया है ।

उक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगनाथ मरकाम एवं एसडीओपी कोतमा नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में की गई। एएसआई विनोद नाहर, प्रधान आरक्षक अमित पटेल एवं आरक्षक मूरत सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

एलएनसीटी यूनिवर्सिटी ने जीती फुटबॉल चैंपियनशिप

भारतमत रिपोर्टर, भोपाल

इंटर-कॉलेज फुटबॉल चैंपियनशिप में एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के इंटरनेशनल स्टूडेंट्स ने धमाकेदार जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट में कुल पांच टीमें मैदान में उतरी थीं, और इन सबको पीछे छोड़कर एलएनसीटी यूनिवर्सिटी की टीम ने ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जीतने वाली टीम को कंसल्टेंसी के डायरेक्टर आशीष कुमार झा ने कैश प्राइज देकर सम्मानित किया। यह फुटबॉल टूर्नामेंट आईईएस यूनिवर्सिटी के मैदान पर खेला गया। एलएनसीटी ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के सेक्रेटरी डॉ. अनुपम चौकसे ने इंटरनेशनल स्टूडेंट्स को बधाई दी और कहा कि इन बच्चों ने एक बार फिर खेल के मैदान में कमाल करके एलएनसीटी यूनिवर्सिटी का नाम रोशन किया है।

मुझे नहीं बताया और न ही मेरे संज्ञान में है यह बात

कल्ली शाह चक्की वाले मामले में बोले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर। वरिष्ठ अधिकारियों का नाम लेकर बचने की कला उनके मातहत पूरी तरह जानते हैं। जिससे वह लोगों को वरिष्ठ अधिकारियों के नाम पर बरगलाकर कार्रवाईयां करते रहते हैं। कुछ ऐसा ही मामला इन दिनों खाद्य सुरक्षा विभाग में चल रहा है। जहां एक चक्की पर अमानक स्थिति मिलने के बावजूद उसको कारोबार करने के लिए खोल देने के बारे में पूछा तो मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी का नाम लिया गया। वहीं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने कहा मुझे पता नहीं है

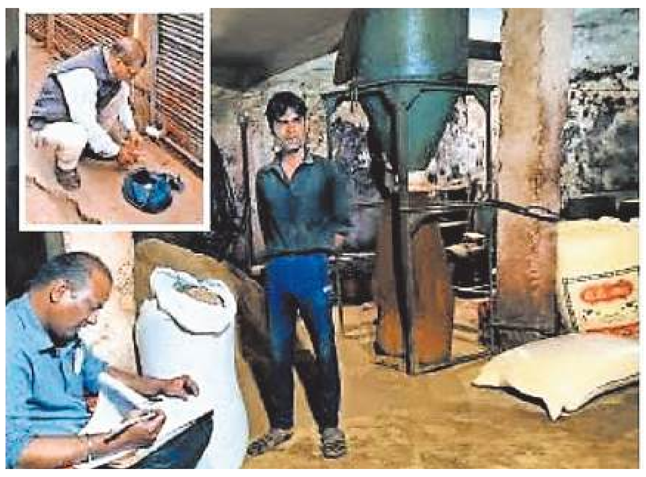

और न ही मुझे बताया है।

दाल बाजार इलाके में कल्ली शाह की चक्की पर कुछ माह पहले छापामार कार्रवाई कर खाद्य सुरक्षा विभाग के दल द्वारा 40 किलो लकड़ी का बुरादा, चोकर जैसी वस्तुऐं मसालों में मिलाने के लिए तैयार रखी पकड़ी थी। जिसके बाद इसको सार्वजनिक करते हुए इस चक्की को तत्काल चपड़ी लगाकर सील कर दिया गया। जिसके बाद इस चक्की के सैंपल जांच के लिए भेजे गए और जांच की रिपोर्ट आने से पहले ही इसको चंद दिन बाद कारोबार के लिए खोल दिया गया। इस मामले में जब उस दल में मौजूद बृजेश कुमार शिरोमणि से पूछा तो उन्होंने बताया कि कार्रवाई उनके द्वारा नहीं बल्कि सतीश शर्मा के द्वारा की गई थी।

करूंगा कार्रवाई

इस चक्की के खुलने की बात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव को बताई तो उनका कहना था कि वह इस पर कार्रवाई करेंगे।

कोई लिखित आदेश नहीं

इस मामले में सूत्रों के अनुसार कोई भी लिखित आदेश खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा प्राप्त किया गया है। जिससे वह इस बंद हो चुकी चक्की को खोल सकने की कार्रवाई कर सकते थे।

अमानक होने पर जिम्मेवारी किसकी

कल्ली शाह चक्की के सैंपलों का अमानक होने पर इस समय चल रहे मसाला कारोबार की जिम्मेवारी किसकी है? यह सवाल भी अब यक्ष रुप से सामने खड़ा है। वहीं वर्तमान में इसमें मिलावट न होने की जिम्मेवारी किसने ली है?

कई ऐसे प्रकरण है मौजूद

खाद्य सुरक्षा विभाग के सूत्रों की मानें तो वहां पर बहुत बड़ा गड़बड़झाला मौजूद है। जहां पर कई ऐसे प्रकरण मौजूद है, जहां बड़े पैमाने पर गड़बड़ी मिलने के बावजूद कार्रवाईयों में लचीला रुख अपनाया गया है।

-नीले सिलण्डरों के न मिलने की स्थिति में कौन से सिलेण्डर हो रहे इस्तेमाल

महानगर के बड़े होटल और बड़े रेस्टोरेंट में कैसे पहुंच रही गैस

भारतमत संवाददाता

ग्वालियर। एक तरफ आम जनता गैस सिलण्डर के लिए परेशान हो रही है। वहीं दूसरी तरफ महानगर में ही बड़े होटल और बड़े रेस्टोरेंट में लगातार काम हो रहा है। जबकि नीले (व्यावसायिक) गैस सिलेण्डरों को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। जिसके चलते यह सवाल उठ रहा है कि आखिर वहां कौन सी गैस का इस्तेमाल भोजन व्यवस्था के लिए किया जा रहा है।

ईरान-इजराइल युद्ध के चलते कच्चे तेल और गैस की उपलब्धता कम हो गई है और इसके चलते सरकार ने भी घरेलू गैस के लिए उपयोग सर्वप्रथम कर दिया है। जिसके लिए व्यावसायिक नीले सिलेण्डरों को उपलब्ध कराने से मनाही कर दी गई है। लेकिन गैस एजेंसियों की स्थिति है कि वह घरेलू गैस की आपूर्ति नहीं कर पा रही है। वहीं बाजार में बड़े होटलों सहित बड़े रेस्टोरेंट लगातार संचालित हो रहे हैं। जिनमें किस गैस का इस्तेमाल हो रहा है। इसकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं हो रही है।

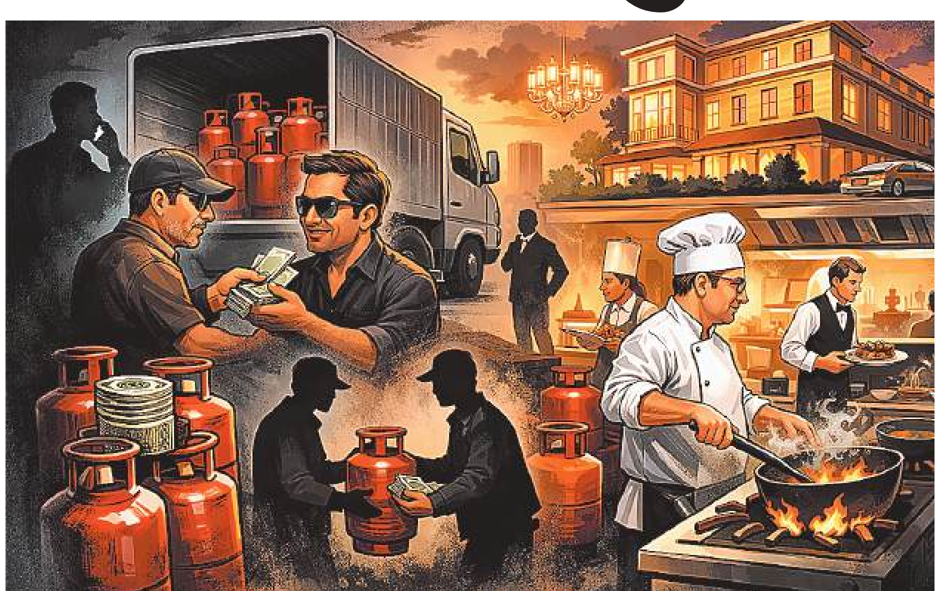

कहां से और कितने सिलेण्डर दे रहे इनको

इस मामले में सवाल उठ रहा है कि इन होटलों एवं रेस्टोंरेटों को कितने और कहां से सिलेण्डर उपलब्ध हो रहे हैं। जबकि घरेलू गैस का उपयोग इन जगहों पर पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।
ब्लेक की चर्चाः इन होटलों एवं रेस्टोरेंटों में गैस कंपनियों द्वारा एजेंसियों के माध्यम से सिलेण्डर पहुंचाए जा रहे हैं। जिनको ब्लेक (ऊंचे दामों पर) उपलब्ध कराया जा रहा है। जिसमें एक सिलेण्डर 2000 से अधिक रुपयों में दिया जा रहा है।

नहीं उठा फोन

इस मामले में जब इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन के अधिकारियों को फोन लगाया गया तो उनका फोन बार-बार लगाने पर नहीं उठा। जिसके चलते इस संबंध में जानकारी नहीं मिल पाई।

कंपनी वाले बताएंगे

इस मामले में जब खाद्य नागरिक आपूर्ति अधिकारी ए भदौरिया को फोन लगाया गया तो उनका कहना था कि इस मामले में सही जानकारी गैस कंपनी वाले ही बता सकते हैं। हम लोग तो घरेलू गैस आपूर्ति पर ही नजर रखते हैं। वहीं उन्होंने बताया कि वर्तमान में व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी गैस से छूट दी गई है। लेकिन कितनी गैस उपलब्ध करानी है इसकी जानकारी उनके पास नहीं थी।
बॉक्स

गैस एजेंसियों पर कम आपूर्ति

इस मामले में जब मार्डन गैस एजेंसी पर बात की गई तो उन्होंने बताया कि वर्तमान में काफी कम गैस की आपूर्ति गैस कंपनी द्वारा की जा रही है। जिसके चलते लगभग 3500 सिलेण्डरों की आपूर्ति अभी हमारी एजेंसी से होना है। लेकिन होटलों एवं रेस्टोरेटों पर आपूर्ति को लेकर गैस कंपनी से बात करने को कहा।

हेवीवेट में चैंपियन बनने का जज्बा रखें युवा बॉक्सरः ओलंपियन सतीश कुमार

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में चयन ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों को दिया मार्गदर्शन

भारतमत संवाददाता

झांसी। भारतीय बॉक्सिंग के दिग्गज, ओलंपियन एवं अर्जुन अवॉर्डी सतीश कुमार यादव ने युवा बॉक्सरों से आह्वान किया कि वे हेवीवेट वर्ग से बचने के बजाय उसमें चैंपियन बनने का जज्बा लेकर रिंग में उतरें। उन्होंने यह बात मेजर ध्यानचंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित स्पोर्ट्स हॉस्टल चयन ट्रायल्स के दौरान बतौर चयन समिति अध्यक्ष कही।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्रतिभाशाली बॉक्सरों की कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें सही दिशा और बेहतर मार्गदर्शन देने की। सही प्रशिक्षण और अनुशासन के साथ युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकते हैं। अपने शुरुआती जीवन के बारे में बताते हुए सतीश कुमार ने कहा कि गांव में बचपन के दौरान वह कबड्डी, कुश्ती और क्रिकेट खेलते थे और बॉक्सिंग से उनका कोई संबंध नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद रानीखेत में पहली पोस्टिंग के दौरान उनकी कद-काठी को देखकर कोच ने उन्हें बॉक्सिंग के लिए प्रेरित किया। इसके बाद कड़ी मेहनत के बल पर उन्होंने सर्विसेज टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीते और गांव से ओलंपिक तक का सफर तय किया।

बुलंदशहर के एक साधारण किसान परिवार से आने वाले सतीश कुमार ने ओलंपिक के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि चोटिल होने के बावजूद उन्होंने विश्व चैंपियन बाखोदिर जालोलोव के खिलाफ मुकाबला खेलने का फैसला लिया। उन्होंने कहा, तिरंगे की शान के आगे डर का कोई स्थान नहीं होता। देश की उम्मीदों को देखते हुए मैंने आखिरी दम तक मुकाबला लड़ा, हालांकि अफसोस है कि पदक नहीं जीत सका।

अपनी उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वह पांच बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पदक जीत चुके हैं और एशियाई खेलों में भी देश का गौरव बढ़ाया है। वर्ष 2018 में उन्हें भारत सरकार द्वारा अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया, जिसे उन्होंने अपने जीवन का गौरवपूर्ण क्षण बताया।

अखंड रामायण पाठ समापन पर उमड़ा जनसैलाब, भंडारे में हजारों ने ग्रहण किया प्रसाद

बबीना। बख्शी तालाब स्थित श्री श्री 1008 हनुमान मंदिर में आयोजित अखंड रामायण पाठ का विधि-विधान के साथ भव्य समापन हुआ। इस अवसर पर आयोजित विशाल भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन मंदिर परिसर श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के वातावरण में डूबा रहा।

समापन अवसर पर वेद मंत्रोच्चार, पूजन-अर्चना एवं भजन-कीर्तन के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुए। ÷जय श्री राम÷ और ÷बजरंग बली की जय÷ के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने भगवान हनुमान के दर्शन कर सुख-समृद्धि और मंगल की कामना की।

इस दौरान श्रद्धालु रानू जैन एवं आशीष जैन द्वारा हनुमान मंदिर में भव्य सिंहासन अर्पित किया गया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने श्रद्धाभाव से निहारा और दानदाताओं की सराहना की। आयोजन को सफल बनाने में श्री राधे योग मंडल का विशेष सहयोग रहा, जिनकी सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक, धर्मप्रेमी एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जन आक्रोश निर्णायक चरण में, खून से पत्र लिखकर जताया जाएगा विरोध

बुंदेलखंड निर्माण को लेकर 'जनप्रतिनिधि धिक्कार यात्रा' की घोषणा

भारतमत संवाददाता

झांसी। बुंदेलखंड राज्य निर्माण की मांग को लेकर आंदोलन अब निर्णायक चरण में प्रवेश करता दिखाई दे रहा है। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा ने जनप्रतिनिधियों के खिलाफ तीखा विरोध जताते हुए ÷जनप्रतिनिधि धिक्कार यात्रा÷ निकालने की घोषणा की है।

मोर्चा के अध्यक्ष भानू सहाय ने पत्रकार वार्ता में कहा कि वर्षों से चल रहे संघर्ष, त्याग और बलिदान के बावजूद केंद्र सरकार द्वारा किए गए वादों की अनदेखी ने क्षेत्र की जनता के आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि ÷वनवासी राम से रामराजा सरकार÷ तक निकाली गई जन आक्रोश यात्रा को व्यापक जनसमर्थन मिला, जिससे यह स्पष्ट है कि अब बुंदेलखंड की जनता अपने अधिकारों के लिए निर्णायक लड़ाई के लिए तैयार है।

उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र के नौ सांसद और 55 विधायक बुंदेलखंड की आवाज को प्रभावी ढंग से नहीं उठा पा रहे हैं। यह मौन अब जनता के बीच विश्वासघात के रूप में देखा जा रहा है।

इसी के विरोध में मोर्चा ने ऐलान किया है कि अखंड बुंदेलखंड के सभी नौ संसदीय क्षेत्रों—सागर, दमोह-पन्ना, छतरपुर-खजुराहो, टीकमगढ़-निवाड़ी, दतिया-भिंड, झांसी-ललितपुर, जालौन-गरौठ, हमीरपुर-महोबा और बांदा-चित्रकूट—तथा 55 विधानसभा क्षेत्रों में दो दिवसीय ÷जनप्रतिनिधि धिक्कार यात्रा÷ आयोजित की जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान आंदोलनकारी अपने खून से पत्र लिखकर प्रधानमंत्री, सांसदों और विधायकों को भेजेंगे। साथ ही मशाल जुलूस निकाले जाएंगे, विभिन्न वर्गों—अधिवक्ताओं, किसानों और व्यापारियों—से संवाद किया जाएगा तथा राज्य निर्माण के लिए तैयार युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मोर्चा ने इसे बुंदेलखंड की अस्मिता और अधिकारों की लड़ाई बताते हुए कहा कि यह केवल विरोध नहीं, बल्कि अंतिम चेतावनी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि जनप्रतिनिधि जनता की आवाज नहीं उठाते, तो आगामी चुनावों में उन्हें सत्ता से बाहर करने का अभियान चलाया जाएगा। पत्रकार वार्ता में महामंत्री अशोक सक्सेना, प्रवक्ता रघुराज शर्मा, रजनीश श्रीवास्तव, हनीफ खान, प्रदीप झा, नरेश वर्मा, अभिषेक तिवारी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मॉडर्न कॉलेज में फ्रेशर पार्टी का भव्य आयोजन, प्रतिभाओं ने बिखेरा रंगारंग जलवा

भारतमत संवाददाता

झांसी। मॉडर्न कॉलेज कोछाभांवर में 4 अप्रैल 2026 को आयोजित फ्रेशर पार्टी में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण में डूबा नजर आया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के फाउंडर चेयरमैन कैप्टन अरविंद विश्वनाथन, फाउंडर चेयरपर्सन श्रीमती शांति विश्वनाथन, चेयरमैन डॉ. रोहिन विश्वनाथन, वाइस चेयरपर्सन श्रीमती अंशिता विश्वनाथन, मैनेजिंग डायरेक्टर अपूर्व शुक्ला एवं सेक्रेटरी श्रीमती रत्ना शुक्ला द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। तत्पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. असद अहमद, प्राचार्य नरेंद्र त्रिपाठी, डॉ. हामिद खान, निदेशक डॉ. प्रवीण गुप्ता एवं प्राचार्य रोबिन जोसफ सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा स्मृति श्रीवास्तव एवं छात्र हर्षवर्धन सोनी ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई, जिसके बाद एकल एवं समूह नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रैम्प वॉक रहा, जिसमें प्रतिभागियों ने आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रस्तुति दी। निर्णायक मंडल द्वारा विभिन्न राउंड के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया।

विजेताओं की सूची इस प्रकार रही—

मिस्टर फ्रेशर- अजय कुमार
मिस फ्रेशर- राधा यादव
मिस्टर फेयरवेल- कुनाल कुशवाहा
मिस फेयरवेल- आयुषी यादव
मिस्टर ईव- आयुष निरंजन
मिस ईव- सृष्टि सोनी
मिस सपोर्टर- हर्षिता वर्मा

कार्यक्रम के दौरान आयोजित मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं में सौरभ गौतम एवं रामजी पटेल विजेता रहे। मुख्य अतिथि द्वारा विजेताओं को क्राउन एवं सैश पहनाकर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

अंत में डीजे की धुन पर छात्र-छात्राओं ने जमकर नृत्य कर कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का निर्देशन प्रवक्ता अतुल पटैरिया ने किया, जबकि अंत में प्राचार्य डॉ. असद अहमद ने सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

झांसी-कानपुर रेलखंड में ब्रिज प्रतिस्थापन कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण

भारतमत संवाददाता

झांसी। झांसी मंडल के अंतर्गत झांसी-कानपुर रेलखंड के कालपीङ्कचौन्रह डाउन लाइन में स्थित ब्रिज संख्या 1279/1 का सफलतापूर्वक प्रतिस्थापन कर लिया गया। इस कार्य के तहत पुराने 1म0.91 मीटर के स्टोन स्लैब ब्रिज को हटाकर उसके स्थान पर 1.29म2.35 मीटर का आधुनिक ऋष्ट बॉक्स स्थापित किया गया।

इस महत्वपूर्ण कार्य को संपन्न करने के लिए दोपहर 12.45 बजे से 4.45 बजे तक कुल 4 घंटे का ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया गया। निर्धारित समयसीमा के भीतर कार्य पूर्ण करते हुए 16.45 बजे ब्लॉक क्लियर कर दिया गया, जिसके बाद रेल यातायात पुनः सुचारु रूप से प्रारंभ हो गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह कार्य ष्ठस्नष्ट फीडर रूट पर अब तक प्रतिस्थापित किए गए 25वें ब्रिज के रूप में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस प्रकार के इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड से न केवल ट्रैक की सुरक्षा और मजबूती में वृद्धि होगी, बल्कि रेल संचालन की गति और दक्षता में भी सुधार होगा। झांसी मंडल द्वारा संरक्षा और आधुनिकीकरण के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास भविष्य में भी इसी तरह निरंतर जारी रहेंगे।

सम्पादकीय

भाजपा के लिए भस्मासुर साबित होगा चुनाव आयोग?

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। विधानसभा चुनावों के पूर्व एसआईआर की प्रक्रिया पिछले कई माह से चल रही है। इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका की सुनवाई भी चल रही है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी जिस तरह से एसआईआर को लेकर आर-पार की लड़ाई लड़ रही हैं, दीदी चुनाव आयोग और भाजपा के लिए एक बड़ा सिर दर्द बन गई हैं। चुनाव आयोग का एसआईआर का खेल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान विपक्ष ने समझ लिया है। फॉर्म नंबर 6 और 7 का जो खेल चुनाव आयोग में चल रहा है, उसे भी विपक्षी दलों और ममता बनर्जी ने पहचान लिया है। जिस तरह से केंद्रीय चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में शीर्ष अधिकारियों से लेकर बीएलओ तक के ट्रांसफर किए हैं। इस मामले में ममता बनर्जी और उनके अधिवक्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को उठाया है। न्याय पालिका में ममता बनर्जी ने लड़ाई लड़ने में कोई कोताही नहीं बरती। निश्चित रूप से चुनाव आयोग को जो संवैधानिक संरक्षण और सरकार का संरक्षण प्राप्त है, उसको देखते हुए हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट से ममता दीदी को कोई लाभ नहीं मिला है। इसके बाद भी पूरी तरह से जिन लोगों के नाम मतदाता सूची से काटे गए हैं, एक धर्म विशेष के लोगों में जब हाईकोर्ट के जज का नाम भी कट गया, उसके बाद यह मामला जनता के बीच बड़ी तेजी के साथ पहुंच गया है। हाल ही में न्यायिक अधिकारी ब्लॉक ऑफिस में बैठकर जिन मतदाताओं के नाम नहीं जुड़े थे, उनकी शिकायतों पर जांच कर रहे थे। उन न्यायिक अधिकारियों को मतदाताओं ने कई घंटे तक बंधक बना कर रखा। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पूरी रात जागकर प्रशासन को जागाना पड़ा। उसके बाद बंधक जजों को बाहर निकाला जा सका। सुप्रीम कोर्ट को स्वंय संज्ञान लेकर आदेश करना पड़ा। सीआरपीएफ को न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा ड्यूटी में लगाया जाए। इस मामले में पहले ही टीएमसी ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए यह कह दिया था। जिस बड़े पैमाने पर अधिकारियों के ट्रांसफर केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा बिना राज्य सरकार के परामर्श के किए गए हैं, उसके बाद राज्य सरकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद केंद्रीय चुनाव आयोग के द्वारा नियुक्त प्रशासन काम कर रहा है। कानून व्यवस्था की पश्चिम बंगाल में स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उनकी संख्या लाखों में है। वह अपने नाम जुड़वाने के लिए आक्रोषित होकर स्थानीय अधिकारियों और न्यायिक अधिकारियों के पास पहुंच रहे हैं। हरियाणा, महाराष्ट्र तथा बिहार के चुनाव में जिस तरह से फॉर्म 6 एवं 7 का दुरुपयोग किया गया था। जिस तरह से चुनाव में मतदाताओं के नाम जोड़ने और काटने का खेल अंतिम समय पर चुनाव आयोग द्वारा खेला गया है, इसका खुलासा पूरी तरह से हो चुका है। राहुल गांधी ने जब पत्रकार वार्ता कर चुनाव आयोग के ऊपर सबूतों के साथ आरोप लगाए थे, उस समय विपक्ष ने चुप्पी साध ली थी। चुनाव आयोग की गड़बड़ियों का सबसे पहले खुलासा राहुल गांधी ने किया था। चुनाव आयोग ने अभी तक उस पत्रकार वार्ता के आरोपों का जवाब नहीं दिया है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और टीएमसी के नेता सड़क से लेकर अदालत तक चुनाव आयोग के खिलाफ लड़ाई लड़ते चले आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल अधिकारों के प्रति काफी जागरूक रहता है। इस चुनाव में भाजपा को पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ा रहा है। टीएमसी का नेटवर्क गांव-गांव तक फैला हुआ है। जिस तरह से टीएमसी चुनाव आयोग के हर गड़बड़ी को उजागर कर रही है। चुनाव आयोग द्वारा समय-समय पर एसआईआर में गड़बड़ी होने पर कोर्ट पहुंच जाती है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग और भाजपा को दस्तावेजी सबूतों के साथ बुरी तरह से घेर लिया है। पश्चिम बंगाल पहला राज्य होगा, जहां चुनाव आयोग के कारण भाजपा को भी नुकसान उठाना पड़ सकता है। पश्चिम बंगाल चर्चाओं में है, केंद्रीय चुनाव आयोग के ज्ञानेश कुमार भाजपा के लिए भस्मासुर साबित हो सकते हैं। चुनाव आयोग के ऊपर आरोप लग रहे हैं, वह भाजपा नेताओं के इशारे पर उनके मनपसंद अधिकारियों और कर्मचारियों को चुनाव कार्य में लगा रहे हैं। चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसका ठीकरा चुनाव आयोग पर फोड़ दिया है। कानून व्यवस्था की स्थिति खराब होने पर ममता दीदी ने चुनाव आयोग को जिम्मेदार ठहरा रही हैं। रही-सही कसर सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के आदेश पर जो न्यायिक अधिकारी मतदाता सूची के काम में लगे हुए हैं, उनको बंधक बनाए जाने के बाद प. बंगाल में किस तरह की कानून व्यवस्था है, यह सुप्रीम कोर्ट के सामने उजागर हो गया है।

राशिफल

मेष: कार्य-कुशलता एवं समृद्धि के योग, फलप्रद स्थिति में कार्य बनेंगे।

वृष: कार्य की तत्परता से लाभ एवं इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कार्य में ध्यान दें।

मिथुन: व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि, कार्य कुशलता से संतोष, लाभप्रद स्थिति रहे।

कर्क : सोच समझ कर शक्ति लगाएं अन्यथा कुछ विभ्रम, विकार, क्लेश हों।

सिंह: समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, लेनदेन के मामले में हानि।

कन्या: मानसिक विभ्रम, किसी आरोप में फंस सकते हैं, सतर्कता से कार्य करें।

तुला: भाग्य का सितारा प्रबल हो, बिगड़े कार्य बनेंगे, कार्य संतोष होगा।

वृश्चिक: कार्य कुशलता से संतोष, योजनाएं फलीभूत होंगी, सफलता मिले।

धनु: सफलता के साधन जुटायें, धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष हो।

मकर: अरोप, क्लेश, असमंजस, धन का लाभ, सफलता से हर्ष अवश्य होगा।

कुंभ: इष्ट मित्र सुखवर्धक हों, स्त्री शरीर कष्ट तथा मित्र चिन्ता, दुख हो।

मीन: इष्ट मित्र सहायक रहें, दैनिक कार्यगति में अनुकूलता होगी।

क्षितिज के पारः लहरों पर लिखती भारत की नई शौर्यगाथा

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)
(5 अप्रैल राष्ट्रीय समुद्री दिवस)

उफनती लहरें, गहरा नीला समंदर और क्षितिज पर डूबता सूरज–ये दृश्य अक्सर हमें सुकून देते हैं, लेकिन इसी असीम विस्तार के पीछे छिपी है एक राष्ट्र के स्वाभिमान और समृद्धि की वह कहानी, जिसे हम राष्ट्रीय समुद्री दिवस के रूप में याद करते हैं। यह दिन केवल एक तारीख भर नहीं है, बल्कि यह उस साहस का उत्सव है जिसने सदियों पहले विदेशी बेड़ियों को तोड़कर खुले समुद्र में अपनी पहचान दर्ज की थी। कल्पना कीजिए उस दौर की, जब समंदर पर केवल फिरंगियों का राज हुआ करता था। उनके जहाज चलते थे, उनके नियम चलते थे और हमारी अपनी विरासत कहीं किनारे पर खड़ी असहाय नजर आती थी। ऐसे में एक हिंदुस्तानी जहाज, एसएस लॉयल्टी, मुंबई के तट से लंदन के लिए निकलता है। वह सिर्फ लकड़ी और लोहे का ढांचा नहीं था, वह करोड़ों भारतीयों की उम्मीदों का वह पुल था जिसने दुनिया को बता दिया कि भारत की सीमाएं केवल जमीन तक सीमित नहीं हैं। वह यात्रा एक विद्रोह थी, एक घोषणा थी कि अब हम लहरों के साथ बहेंगे नहीं, बल्कि उन्हें अपनी दिशा में मोड़ेंगे। आज जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो वह एक छोटी सी शुरुआत आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुकी है। भारत की करीब साढ़े सात हजार किलोमीटर लंबी तटरेखा केवल भूगोल का हिस्सा नहीं है, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। हमारे बंदरगाह आज केवल सामान उतारने और चढ़ाने की जगह नहीं रह गए, वे आधुनिक भारत के वे द्वार बन चुके हैं जहाँ से आत्मनिर्भर भारत का सपना दुनिया के बाजारों तक पहुँच रहा है। देश का लगभग 95% व्यापार आज भी इन्हीं लहरों के रास्ते होता है। ज़रा सोचिए, उन गुमनाम नाविकों के बारे में जो महीनों तक अपनों से दूर, अनजानी हवाओं और तूफानी लहरों के बीच डटे रहते हैं ताकि हमारे घरों के

चिराग जलते रहें और कारखानों के पहिए घूमते रहें। उनका त्याग इस समुद्री प्रगति का असली आधार है।

अक्सर हम हिमालय की ऊंचाइयों की चर्चा तो बहुत करते हैं, लेकिन दक्षिण में फैले इस विशाल रत्नगर्भा नीले समंदर की गहराई को भूल जाते हैं। आज भारत जिस नीली अर्थव्यवस्था या ब्लू इकोनॉमी की बात कर रहा है, वह भविष्य का सबसे बड़ा निवेश है। गहरे समुद्र से निकलने वाले खनिज हों या तटों पर बसते मछुआरे भाइयों का जीवन, हर एक बिंदु इस विशाल तस्वीर का हिस्सा है। आधुनिक तकनीक ने अब हमें वह सामर्थ्य दे दिया है कि हम समंदर से न केवल संपदा निकाल रहे हैं, बल्कि उसकी रक्षा करना भी सीख रहे हैं। प्लास्टिक के प्रदूषण से लेकर जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों तक, आज का भारत एक जिम्मेदार समुद्री शक्ति बनकर उभर रहा है। आज हम केवल व्यापारिक जहाज ही नहीं चला रहे, बल्कि समंदर की लहरों पर अपना स्वदेशी आईएनएस विक्रांत जैसा विमानवाहक पोत भी लहरा रहे हैं। यह उस तकनीकी कौशल का प्रमाण है जो बताता है कि हम रक्षा और सुरक्षा के मामले में भी अब किसी के मोहताज नहीं हैं। हिंद महासागर में भारत की बढ़ती धमक यह सुनिश्चित करती है कि यह क्षेत्र शांति और प्रगति का केंद्र बना रहे। सागर का जो विजन हमारे विज़नरी लोगों ने दिया है, वह केवल भारत के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व के लिए सुरक्षा और विकास का मंत्र है। जैसे-जैसे दुनिया सिमट रही है और व्यापार के नए गलियारे खुल रहे हैं, समुद्र का महत्व और बढ़ता जा रहा है। हमारी युवा पीढ़ी को अब इन लहरों में छिपे करियर और एडवेंचर को पहचानना होगा। यह केवल जहाजों का संचालन नहीं है, यह वैश्विक कूटनीति और अर्थव्यवस्था की वह धुरी है जहाँ भारत अब अगली कतार में खड़ा है। जब तक सूरज की किरणें इन लहरों पर चमकती रहेंगी, भारत की यह समुद्री यात्रा निरंतर चलती रहेगी।

आज का दिन रुककर उन लहरों को सलाम करने का है, जिन्होंने हमें दुनिया से जोड़ा। उन पूर्वजों को नमन करने का है, जिन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी साहस नहीं खोया। और सबसे बढ़कर, उन युवाओं को प्रोत्साहित करने का है जो आने वाले समय में भारत की इस गौरवगाथा को और ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। समुद्र हमें सिखाता है कि शांत रहकर भी विशाल कैसे बना जाता है और चुनौतियों के थपेड़ों को सहकर भी अपनी मंजिल कैसे पाई जाती है। आइए, इस राष्ट्रीय गौरव के पर्व पर संकल्प लें कि हम अपनी इस अमूल्य समुद्री विरासत को सहेजेंगे, संवारेंगे और दुनिया के मानचित्र पर भारत को समुद्री जगत का निर्विवाद सम्राट बनाएंगे। लहरें पुकार रही हैं, और भारत अपनी नई मंजिल की ओर मजबूती से कदम बढ़ा चुका है।

(लेखक पत्रकार हैं)

पश्चिम बंगाल बढ़ती अराजकताः लोकतंत्र के लिए चुनौती

(लेखक - ललित गर्ग)

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।

खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना चाहिए, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

दुनियां में जिसके पास प्रसन्नता, मन की शांती, संतोष भरा मन हो वो भाग्यशाली और खुश इंसान है। केवल आज की ही क्यू वो इंसान हर दुनियां मे खुश है। महाभारत मे धर्मराज युधिष्ठिर से एक यक्षने प्रश्न पुछा के हे धर्मराज सबसे बडा सुख कौनसा है इस प्रश्न के उत्तर के स्वरूप युधिष्ठिरजी ने कहा समाधान ही सर्वोत्तम सुख है। मनुष्य के पास बहुत सारा पैसा हो अछी शादीशुदा जिंदगी हो अच्छे माता पिता हो लेकिन मन मे संतोष व प्रसन्नता न हो तो ऐसा व्यक्ती आज की या किसी भी दुनिया मे खुश नही हो सकता। आज की दुनिया मे पैसा अतिआवश्यक है। लेकीन मन का संतोष प्रसन्नता उससे भी अधिक आवश्यक है,और एक बात जो की आवश्यक है वो है आपकी सेहत, सेहत अछी हो तो व्यक्ती का जीवन आनंदमय होता है.वैसे तो कुदरत द्वारा रचित इस अनमोल खूबसूरत सृष्टि में रचनाकर्ता ने मानवीय जीवन में अनेक गुण दोषों को शामिल कर संजोया है, इसका उपयोग करने सर्वश्रेष्ठ बुद्धिमता का भी सृजन कर दिया है। बस!! जरूरत है अब माननीय जीव को उसे गुण-दोष सुख-दुख खुशियां-गम प्रसन्नता-दुख इत्यादि का चुनाव कर अपने जीवन को सफल और असफल बनाएं उसके ऊपर है!! क्योंकि प्रसन्नता और सुख दुख भी बौद्धिक क्षमता के आधार पर माननीय जीव को खुद चुनना होता है! इसलिए आज हम इस पावन बेला पर मन की प्रसन्नता पर उसके गुणों, प्रक्रिया सृजन करने के तरीकों पर इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता की करें तो खुलकर हंसना, मुस्कुराना, प्रसन्न रहना, मन की प्रसन्नता खुद सृजित की हुई दवा के समान है, क्योंकि इसमें सब दुख तो नष्ट होते हैं,जीव अपने कर्म में असफल नहीं होता। बुद्धि तुरंत स्थिर रहती है। सामाजिक प्रतिष्ठा और गुणों की सुगंध दूर तक जाती है एक अलग हस्मुख व्यक्तित्व की हमारी छाया हमारे अपने परिचितों सहयोगियों पर पड़ती है। प्रसन्नता हमारा ऐसा अनमोल खजाना है, जिसे जितना लूटाएंगे उतना ही बढ़ता चला जाएगा, खिलखिलाते चेहरे और प्रसन्नता की आंखों की चमक मनीषियों को दुर्लभ पूंजी है, क्योंकि प्रसन्नता सुकून से जीने की कुंजी है। यह खजाना तब बढ़ता है जब हम दूसरों की खुशीयों में अपनी खुशी को समाहित करते हैं। हमें छोटी-छोटी चीजों में प्रसन्नता, सुख ढूंढने की कोशिश करनी चाहिए, विश्वसनीय मन के भाव की खुशी का भाव अभूतपूर्व सफलता और दूरगामी सकारात्मक परिणाम होता है। आध्यात्मिकता, उदारता, परोपकार, सहनशीलता, सहिष्णुता इत्यादि मन की प्रसन्नता के प्रमुख स्त्रोतों में से कुछ हैं, जिनको जीवन में अपनाने की जरूरत को रेखांकित किया जा सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस, संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी विश्व प्रसन्नता इंडेक्स रिपोर्ट इत्यादि अन्तर्राष्ट्रीय स्तरपर प्रसन्नता के मूल्यों की करें तो प्रसन्नता को हाई वैश्विक टॉनिक माना जाता है। प्रसन्नता दिवस मनाया जाता है अलग-अलग देशों के प्रसन्नता से रहने के क्रमांक बताए जाते हैं, परंतु बहुत हैरानी की बात है प्रसन्नता इंडेक्स में अनेक पूर्ण विकसित देशों के साथ ही भारत भी पिछड़ा हुआ है जो रेखांकित करने वाली बात है!! विश्व प्रसन्नता रिपोर्ट 2022 में 146 देशों की रिपोर्ट के अनुसार फिनलैंड लगातार 5 वर्षों से प्रथम और डेनमार्क द्वितीय और आयरलैंड तृतीय स्थान पर है।जबकि इस रिपोर्ट में भारत 136 वी रैंक पर है याने लास्ट टॉप टेन इतनी खराब हालात जो आश्चर्य वाली बात है।

साथियों बात अगर हम मन की प्रसन्नता के गुण एवं लाभों की करें तो, प्रसन्नता तो व्यक्ति का मानसिक गुण है, जिसे व्यक्ति को अपने दैनिक जीवन के अभ्यास में लाना होता है। प्रसन्नता व्यक्ति के अंतर्मन में छिपे उदासी, तृष्णा और कुंठाजनित मनोविकारों को सदा के लिए समाप्त कर देती है। वस्तुतः प्रसन्नता चुंबकीय शक्ति संपन्न एक विशिष्ट गुण है। प्रसन्नता दैवी वरदान तो है ही, यह व्यक्ति के जीवन की साधना भी है। व्यक्ति प्रसन्न रहने के लिए एक खिलाड़ी की भांति अपनी जीवन-शैली और दृष्टिकोण को अपना लेता है। उसके जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता-असफलता, जय-पराजय, और सुख-दुख उसके चिंतन का विषय नहीं होता। वह तो अपने निर्धारित लक्ष्य की ओर बढ़ता जाता है।प्रसन्नता मानवों में पाई जाने वाली भावनाओं में सबसे सकारात्मक भावना है। इसके होने के विभिन्न कारण हो सकते हैं: अपनी इच्छाओं की पूर्ति से संतुष्ट होना। अपने दिन-रात के जीवन की गतिविधियों को अपनी इच्छाओं के अनुकूल पाना। किसी अचानक लाभ से लाभांवित होना। किसी जटिल समस्या का समाधान प्राप्त होना।

साथियों बात अगर हम प्रसन्नता के लक्ष्यों की प्राप्ति की करें तो, प्रसन्न रहने वाला व्यक्ति परिस्थितियों से संघर्ष करते हुए अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेता है। यदि वह असफल भी हो जाता है तो निराश होने और अपनी विफलता के लिए दूसरों को दोष देने की अपेक्षा अपनी चूक के लिए आत्मनिरीक्षण करना ही उचित समझता है।ज्ञानीजन और अनुभवी बताते हैं कि प्रसन्नता जैसे दैवीय-वरदान से कुतर्की और षड्यंत्रकारी लोग सदैव वंचित रह जाते हैं। प्रसन्न व्यक्ति स्वयं को प्रसन्न रखकर दूसरों को भी प्रसन्न रखने की अद्भुत सामर्थ्य रखता है। प्रसन्नता को प्रभु-प्रदत्त संपदा समझने वाले व्यक्ति ही सदैव सुखी रहते हुए यशस्वी, मनस्वी, महान और पराक्रमी बनकर समाज और राष्ट्र के लिए आदर्श स्थापित करने में सक्षम हो सकते हैं। प्रसन्नता ही सुखी जीवन का मूल मंत्र है। प्रसन्नता हमारा अनमोल खजाना है। प्रसन्नता को ज़रूर लुटाइए फ़िर देखिए, उसका खजाना बढ़ता चला जाएगा।

युवराज बोले- धोनी के सच्चाई बताने के बाद लिया रिटायरमेंट

कप्तान विराट, कोच ने स्पष्ट नहीं किया था कि आगे टीम में लेंगे या नहीं

मुंबई (एजेंसी)। 2011 वर्ल्ड कप के हीरो रहे युवराज सिंह ने एक इंटरव्यू में कहा कि धोनी से पता चला था कि अब चयनकर्ता उनके नाम पर विचार नहीं कर रहे हैं। इसके बाद ही युवराज ने 10 जून 2019 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया था। स्पोर्ट्स तक से बातचीत में युवराज ने कहा कि 36-37 साल की उम्र में जब वे टीम से अंदर-बाहर हो रहे थे, तब न तो नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए), न ही कप्तान विराट कोहली और न ही कोच रवि शास्त्री ने उनसे सीधे बात की। युवी ने कहा, उस समय मुझे लगा कि मैं बीच में फंस गया हूं। मैंने देश के लिए इतना क्रिकेट खेला, तो कम से कम थोड़ी इज्जत और साफ बात तो बनती थी, लेकिन मुझे कुछ भी साफ नहीं बताया गया।

धोनी ने फोन पर बताया था सच

युवराज ने कहा कि उन्हें कहीं से कोई जवाब नहीं मिल रहा था, तब उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी को फोन किया। धोनी उस समय कप्तान नहीं थे, लेकिन वे पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए थे। युवराज के मुताबिक, धोनी ने मुझे सही नजरिया दिया। उन्होंने साफ कहा कि सिलेक्टर्स अब आगे की तरफ देख रहे हैं और मैं उनकी योजनाओं का हिस्सा नहीं हूं। धोनी की इस बात ने मुझे वह स्पष्टता दी जो मैनेजमेंट नहीं दे पा रहा था।

फिटनेस के नाम पर रिटायरमेंट के लिए दबाव बनाया गया- युवराज ने यह भी आरोप लगाया कि मैनेजमेंट ने उन्हें संन्यास लेने के लिए मजबूर करने की कोशिश की थी। उनसे कहा गया था कि वे अब फिटनेस टेस्ट (यो-यो टेस्ट) पास नहीं कर पाएंगे, इसलिए उन्हें खेल को अलविदा कह देना चाहिए। इस पर उन्होंने साफ जवाब दिया कि रिटायर होना उनका फैसला होगा, जबकि टीम में खिलाना या नहीं खिलाना मैनेजमेंट का निर्णय है। युवराज पर्सनल टिप्पणियों के चलते कमेंट्री से दूरी बनाए हुए हैं युवराज ने यह भी बताया कि वे अब तक कमेंट्री से दूर क्यों रहे। उन्होंने साफ कहा कि वे उन लोगों के साथ बैठकर काम नहीं करना चाहते, जिन्होंने उनके बारे में निजी (पर्सनल) टिप्पणियां की थीं। उन्होंने कहा, अब जब मैं रिटायर हो चुका हूं, तो इस बारे में खुलकर बोल सकता हूं।

फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज

सिंदारोव नें नाकामुरा को हारकर लगाई जीत की हैट्रिक

साइप्रस (एजेंसी)। फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज में उज़्बकेले एक अंक किस्तान के विश्व कप विजेता जावोखीर सिंदारोव नें जीत की हैट्रिक लगाते हुए खुद को बाक़ी सभी खिलाड़ियों के मुक़ाबले सबसे आगे बनाये रखा है। पिछले तीन राउंड में उन्हों क्रमश : खिताब के तीन प्रबल दावेदार भारत के आर प्रज्ञानन्दा, यूएसए के फैबियानो कारुआना और अब हिकारू नाकामुरा को मात देते हुए 4.5 अंकों के साथ खुद

को खिताब की दौड़ में बेहद मजबूत स्थिति में पहुँचा दिया है हालांकि अभी 9 राउंड और खेले जाने बाक़ी है पर पूर्व विश्व चैंपियन गैरी कास्पारोव जैसे खिलाड़ी भी सिंदारोव के इस प्रदर्शन से बेहद प्रभावित नज़र आ रहे है और उन्हें कैंडिडेट जीतने का बड़ा दावेदार मान रहे है ।

अन्य बाज़ियों में आज फैबियानो कारुआना नें पिछली हार से वापसी करते हुए जर्मनी के मैथियास ब्लूबम को पराजित कर दिया और वह 3.5 अंकों के साथ सिंदारोव के ठीक पीछे चल रहे है । भारत के प्रज्ञानन्दा नें आज रूस के आंद्रे एसिपेंको से ड्रा खेला और वह 2.5 अंक बनाकर नीदरलैंड के अनीश गिरी के साथ सयुंक्त तीसरे स्थान पर चल रहे है ।

महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुज्यचुक, रूस की लग्नों कैटरिना और रूस की अलेक्सेंड्रा गोर्याचकिना 3 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर चल रही है

पंजाब ने टी-20 में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

- 9वीं बार 200+ चेज किए, चेन्नई ने आईपीएल में 36वीं बार 200 रन बनाए, यह बने रिकॉर्ड्स

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 5 विकेट से हरा दिया। चेपॉक में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने 5 विकेट पर 208 रन बनाए। टीम के लिए आयुष म्हात्रे ने 73 रन की पारी खेली, हालांकि उन्हें दो बार जीवनदान भी मिला। जवाब में पंजाब ने 18.4 ओवर में 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पंजाब ने टी-20 क्रिकेट में भारत का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ते हुए 9वीं बार 200+ रनचेज किया। वहीं चेन्नई ने इस मैच में 36वीं बार 200+ स्कोर बनाया।

पंजाब ने 9वीं बार 200+ रनचेज किया- पंजाब किंग्स ने टी-20 क्रिकेट में भारत का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टीम ने 200+ रनचेज के मामले में 9वीं जीत दर्ज की। इससे पहले भारत की टीम ने 8 बार 200+ रनचेज किया था। ऑस्ट्रेलिया ने 7 और मुंबई इंडियंस ने 6 बार यह कारनामा किया है।

पंजाब किंग्स का दूसरा सबसे बड़ा रनचेज

पंजाब किंग्स ने अपना दूसरा सबसे बड़ा रनचेज किया। टीम ने 210 रन का टारगेट 18.4 ओवर में हासिल किया। टीम का सबसे बड़ा रनचेज 262 रन का है। इसे पंजाब ने 2024 में ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ हासिल किया था।

चेन्नई ने आईपीएल में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाए- चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर बनाने वाली टीम बन गई। टीम ने अब तक 36 बार 200 का आंकड़ा पार किया है। इसके बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 35 बार इस स्कोर तक पहुंची है।

संजू ने फिर मायूस किया- दूसरे ओवर में चेन्नई का पहला विकेट गिरा। ओवर की छठी गेंद जेवियर बार्टलेट ने ऑफ स्टप के बाहर फेंकी। संजू सैमसन ड्राइव खेलने के लिए पीछे हटे, लेकिन गेंद की मूवमेंट को कवर नहीं कर सके और बल्ले का हल्का किनारा लग गया। गेंद सीधे विकेटकीपर प्रभसिमरन सिंह के पास गई, जिन्होंने आसान कैच लपक लिया। संजू 7 रन बनाकर आउट हुए।

सरफराज ने अर्शदीप पर हैट्रिक चौके लगाए

14वें ओवर में सरफराज खान ने अर्शदीप सिंह पर लगातार तीन चौके जड़ दिए। ओवर की दूसरी गेंद पर सरफराज ने आगे बढ़कर जगह बनाई और मिड-ऑफ के ऊपर से शानदार शॉट खेलते हुए चौका बटोर लिया। अगली गेंद पर अर्शदीप ने शॉर्ट लेंथ डाली। सरफराज ने शॉट खेला और गेंद को विकेटकीपर के ऊपर से बाउंड्री तक पहुंचा दिया। फिर चौथी गेंद पर सरफराज ने शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद को लेट खेलते हुए थर्ड मैन की दिशा में गाइड किया और चौका पूरा किया।

प्रशांत वीर ने डेब्यू पर चौके से खाता खोला

चेन्नई सुपर किंग्स के अनकैप्ड ऑलराउंडर प्रशांत वीर ने इस मैच से आईपीएल डेब्यू किया। टीम ने उन्हें मेगा ऑक्शन में 14.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। 17वें ओवर की तीसरी गेंद पर मार्को यानसन ने ऑफ स्टंप के आसपास शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद डाली। प्रशांत ने शॉट खेला। गेंद तेजी से आई और ग्लव्स का हल्का किनारा लेकर फाइन लेग की दिशा में निकल गई। इसी चौके के साथ प्रशांत ने आईपीएल में अपना खाता खोला।

प्रियांश ने बाउंड्री से पहले रन बनाए

पंजाब की पारी की शुरुआत प्रियांश आर्या ने लगातार दो बाउंड्री से की। ओवर की पहली गेंद पर खलील अहमद ने इनस्विंगर डाली। प्रियांश ने सीधे बल्ले से नॉन-स्ट्राइकर के पास से चौके के लिए भेज दिया। अगली ही गेंद पर खलील ने शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद डाली। प्रियांश ने जल्दी से लेंथ पहचानी, घूमकर पुल शॉट खेला और गेंद को मिड-विकेट के ऊपर से सिक्स के लिए भेज दिया।

स्लो ओवर के लिए अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना

- अब एक और गलती की तो पंजाब के कप्तान पर लगेगा एक मैच का बैन

चेन्नई (एजेंसी)। आईपीएल के 7वें मैच में पंजाब किंग्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को हराया, लेकिन इस मैच में स्लो ओवर रेट की वजह से कप्तान श्रेयस अय्यर पर 24 लाख का जुर्माना लगाया गया है।

यह इस सीजन का पंजाब किंग्स का दूसरा ओवर-रेट अपराध है। इसलिए सिर्फ कप्तान ही नहीं, पूरी प्लेइंग इलेवन और इम्पैक्ट प्लेयर को भी सजा मिली है। बाकी सभी खिलाड़ियों पर 6 लाख या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, उतना जुर्माना लगाया गया है। पंजाब किंग्स के सभी खिलाड़ियों पर 6 लाख या उनके मैच फीस का 25 प्रतिशत, जो भी कम हो, उतना जुर्माना लगाया गया है।

अगली बार बैन तय

आईपीएल के नियमों के मुताबिक, अगर अब टीम से फिर ऐसी गलती होती है तो अय्यर पर 30 लाख रुपए का जुर्माना लगेगा और एक मैच का बैन भी झेलना पड़ेगा। पंजाब को अभी लीग स्टेज में 12 से ज्यादा मैच खेलने हैं, ऐसे में अब गलती की गुंजाइश बहुत कम बची है।

श्रेयस अय्यर ने 50 रन बनाए- इस मैच में श्रेयस अय्यर ने बल्लेबाजी से टीम का नेतृत्व किया। उन्होंने 29 गेंदों पर 50 रन की शानदार पारी खेली। उनकी नेहल वाधेरा के साथ 59 रन की साझेदारी मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुई। पंजाब किंग्स को जीत के लिए 209 रन का टारगेट मिला था, जिसे उन्होंने 5 विकेट खोकर आराम से हासिल कर लिया।

आयुष म्हात्रे की पारी पर भारी पड़ी पंजाब की बैटिंग

इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 209 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। चेन्नई की ओर से युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने 43 गेंदों में 73 रनों की बेहतरीन पारी खेली और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ (28 रन) के साथ 96 रनों की साझेदारी की। हालांकि, पंजाब की शुरुआत भी प्रियांश आर्य की 11 गेंदों में 39 रनों की तूफानी पारी से हुई। अंत में प्रभसिमरन सिंह, कूपर कोनोली और अय्यर की पारियों ने चेन्नई के स्कोर को छोटा साबित कर दिया और पंजाब ने लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

विराट कोहली का विकेट लेना चाहता है पंजाब किंग्स के गेंदबाज ड्वार्शुइस

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स के ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज वेन ड्वार्शुइस ने आईपीएल 2026 में डेब्यू से पहले बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर उन्हें इस सीजन में खेलने का मौका मिलता है तो वह सबसे ज्यादा विराट कोहली का विकेट लेना चाहेंगे। ड्वार्शुइस ने कहा कि कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक हैं और उनका विकेट लेना किसी भी गेंदबाज के लिए खास होता है। उन्होंने यह भी कहा कि चाहे मैच होम ग्राउंड पर हो या बेंगलुरु में, वह कोहली का विकेट लेना चाहेंगे।

4.4 करोड़ में पंजाब ने खरीदा

आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में पंजाब किंग्स ने बेन ड्वार्शुइस को 4.4 करोड़ रुपये में खरीदा था। वह इससे पहले भी टीम स्क्वॉड का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन उन्हें डेब्यू का मौका नहीं मिला था। इस बार टीम के हेड कोच रिकी पोंटिंग के अंडर उन्हें मौका मिलने की उम्मीद है। टीम में कई विदेशी तेज गेंदबाज होने की वजह से प्लेइंग इलेवन में जगह बनाना आसान नहीं है।

मिल सकता है मौका

आईपीएल 2026 लीग स्टेज में पंजाब किंग्स और रायल चैलेंजर बेंगलुरु के बीच सिर्फ एक मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला 17 मई को धर्मशाला में खेला जाना है। अगर उस मैच में ड्वार्शुइस को मौका मिलता है तो उनकी सीधी टक्कर विराट कोहली से हो सकती है। ऐसे में यह मुकाबला उनके लिए खास हो सकता है।

आईपीएल में मौके पर क्या बोले ड्वार्शुइस

बेन ड्वार्शुइस ने कहा कि आईपीएल जैसी बड़ी लीग में जब भी खिलाड़ी मैदान पर उतरता है तो पूरी दुनिया की नजर उस पर होती है। अगर आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो आपको लगातार मौके मिलते हैं। लेकिन अगर प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो टीम में जगह बनाना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि वह सिर्फ एक मौके का इंतजार कर रहे हैं ताकि खुद को साबित कर सकें।

टीम में जगह बनाना आसान नहीं- पंजाब किंग्स की टीम में तेज गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है, जिसके चलते बेन ड्वार्शुइस को अभी तक मौका नहीं मिला है। टीम के पास कई तेज गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं, इसलिए प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने के लिए उन्हें शानदार प्रदर्शन करना होगा। हालांकि टीम मैनेजमेंट उन्हें सीजन के दौरान मौका दे सकता है, जहां वह खुद को साबित करना चाहेंगे।

तिरुपति पहुंचे आरसीबी के खिलाड़ी

- रजत पाटीदार और जितेश शर्मा ने टेका मत्था

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के हाई-वोल्टेज मुकाबले में आज यानी 5 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच भिड़ंत होनी है।

इस बड़े मैच से पहले बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार और विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम पहुंचकर भगवान वेंकटेश्वर का आशीर्वाद लिया। दोनों खिलाड़ियों ने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की और अपनी टीम की सफलता के लिए प्रार्थना की।

प्रशंसकों की उमड़ी भीड़, मंदिर में ली सेल्फी

जब पाटीदार और जितेश मंदिर परिसर के भीतर थे, तो उन्हें देखने के लिए प्रशंसकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। हालांकि, सुरक्षाकर्मियों ने स्थिति को संभाला और खिलाड़ियों के दर्शन में कोई बाधा नहीं आने दी। इस दौरान खिलाड़ियों ने मंदिर समिति के पुजारियों के साथ सेल्फी भी ली और कुछ समय वहां बिताया।

आज चेन्नई से होगा बड़ा मुकाबला

- **7 दिन के ब्रेक के बाद उतरेगी आरसीबी-** रजत पाटीदार की कप्तानी में 'प्ले बोल्ड' आर्मी ने अपने अभियान की शुरुआत शानदार तरीके से की है। उन्होंने अपने घरेलू मैदान एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद को हराकर दबदबा बनाया था। इस जीत के बाद टीम को 7 दिनों का लंबा ब्रेक मिला है। अब अपना दूसरा मैच भी एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई के खिलाफ खेलेंगे। दूसरी ओर, चेन्नई सुपर किंग्स के लिए इस सीजन की शुरुआत किसी बुरे सपने जैसी रही है। ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली सीएसके को अपने शुरुआती दोनों मैचों में राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा है।

सूर्यवंशी के फैन हुए जोस बटलर

मिलकर कहा- आप जैसा खिलाड़ी पहले कभी नहीं देखा

चेन्नई (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के जोस बटलर ने भारतीय युवा सनसनी और राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर-बल्लेबाज बटलर का मानना है कि यह 15 साल का खिलाड़ी आने वाले दशक में क्रिकेट पर राज कर सकता है। राजस्थान रॉयल्स के कैंप में हुई बातचीत के दौरान बटलर ने सूर्यवंशी के टैलेंट को देखकर हैरानी जताई और खुलकर उनकी प्रशंसा की। राजस्थान ने इसका वीडियो शेयर किया है।

- **दुनिया उसके कदमों में होगी-** बटलर ने सूर्यवंशी के खेल को लेकर कहा, मैंने कहा था कि इसे ज्यादा उत्साहित मत करो, लेकिन सच में यह सबसे बेहतरीन खिलाड़ी है जिसे मैंने देखा है। सोचिए जब यह 21 या 25 साल का होगा, तब दुनिया इसके कदमों में होगी। इसे खेलते देखना शानदार है। अंडर-19 वर्ल्ड कप में तुमने इंग्लैंड का दिल तोड़ दिया था, कमाल है। बटलर की इस तारीफ पर सूर्यवंशी मुस्कुराते नजर आए और दोनों ने गर्मजोशी से हाथ मिलाया।
- **मेहनत जारी रखने की सलाह-** बटलर ने युवा बल्लेबाज को सलाह देते हुए कहा, तुम बहुत अच्छा खेल रहे हो, ऐसे ही जारी रखो। तुम्हारी खेलने की आजादी देखने लायक है। वहीं टीम मैनेजर ने खुलासा किया कि सूर्यवंशी ने कभी बटलर जैसा खिलाड़ी बनने और ट्रॉफी जीतने की इच्छा जताई थी।
- **आईपीएल में धमाकेदार शुरुआत-** वैभव सूर्यवंशी पहले ही आईपीएल इतिहास के सबसे युवा शतकवीर बन चुके हैं। इस सीजन की शुरुआत भी उन्होंने शानदार अंदाज में की, जब चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 17 गेंदों में 52 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई।
- **बटलर की नजरें वापसी पर-** दूसरी ओर, बटलर ने इस सीजन की शुरुआत थोड़ी धीमी की है। पंजाब किंग्स के खिलाफ पहले मैच में उन्होंने 33 गेंदों में 38 रन बनाए।

अब वह अपनी पुरानी टीम राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ फॉर्म में वापसी की कोशिश करेंगे। पिछले सीजन में बटलर ने गुजरात टाइटंस के लिए 13 पारियों में 538 रन बनाए थे, जिसमें उनका औसत लगभग 60 और स्ट्राइक रेट 163 से ज्यादा रहा।

बदला मौसम का मिजाज आंधी-बारिश ने दी गर्मी से राहत

भारतमत संवाददाता

मुरैना। शनिवार दोपहर अचानक मौसम ने करवट ली और देखते ही देखते आसमान घने बादलों से ढक गया। तेज आंधी के साथ हल्की बारिश शुरू हुई, जिससे पिछले कई दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों को काफी राहत मिली। मौसम में आए इस बदलाव से शहरवासियों ने सुकून की सांस ली।दोपहर बाद शुरू हुआ यह सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। समाचार लिखे जाने तक आसमान में बादल छाए रहे और बीच-बीच में हल्की बूंदाबांदी होती रही। ठंडी हवाओं के कारण वातावरण सुहावना हो गया और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। इससे पहले शुक्रवार रात करीब 8:30 बजे भी तेज आंधी चली थी, जिससे मौसम में अचानक बदलाव आया और लोगों को गर्मी से राहत महसूस हुई। लगातार दो दिनों से हो रहे इस बदलाव ने अप्रैल की शुरुआत में ही मौसम को कुछ हद तक खुशनुमा बना दिया है।मौसम विभाग के अनुसार रविवार को भी इसी प्रकार का मौसम बने रहने की संभावना है। विभाग का कहना है कि अप्रैल माह में बीच-बीच में ऐसे ही बादल, आंधी और हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। शनिवार को चली तेज हवाओं और बूंदाबांदी के चलते तापमान में करीब 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा, जबकि न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से कम आंका गया।मौसम में आए इस बदलाव से जहां एक ओर लोगों को गर्मी से राहत मिली है, वहीं किसानों के लिए भी यह हल्की बारिश लाभकारी मानी जा रही है। हालांकि तेज आंधी के कारण कुछ स्थानों पर हल्की अव्यवस्था की स्थिति भी बनी, लेकिन कुल मिलाकर मौसम का यह बदलता मिजाज लोगों के लिए राहत भरा साबित हुआ।

तेज हवाओं के साथ बारिश, गिरे बेर के आकार के ओले

सबलगढ़ क्षेत्र में अचानक मौसम ने करवट ली और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। इस दौरान कुछ स्थानों पर बेर के आकार के ओले भी गिरे, हालांकि इनकी संख्या कम रही। तेज हवाओं के चलते लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ा, वहीं मौसम में आई ठंडक से गर्मी से राहत भी मिली। किसानों और आमजन ने मौसम के इस बदले रूप को लेकर सतर्कता बरती, हालांकि ओलों की मात्रा कम होने से ज्यादा नुकसान की खबर नहीं है।

सहायक संचालक मोनिका ने विद्यालय में बच्चों से की प्रेरणादायक बातचीत

भारतमत संवाददाता

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन के निर्देश एवं कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ के मार्गदर्शन में सहायक संचालक जनसंपर्क सुश्री मोनिका माहौर ने शासकीय माध्यमिक विद्यालय खेड़ा मेवदा में आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत बच्चों के साथ संवाद किया।इस दौरान सुश्री माहौर ने अपने अनुभव सांझा करते हुए विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के बारे में प्रेरित किया। उन्होंने बच्चों को नियमित अध्ययन करने, अनुशासन बनाए रखने और अपने लक्ष्यों के प्रति सजग रहने की सीख दी। कार्यक्रम में उन्होंने बच्चों को पेंसिल बॉक्स भी भेंट किए, जिससे बच्चों में उत्साह देखा गया। साथ ही कक्षा 7 एवं 8 के विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, विद्यालय की साफ सफाई और छात्र संख्या बढ़ाने जैसे विषयों पर भी सुझाव दिए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए अपने विचार व्यक्त किए और इस संवाद से प्रेरणा प्राप्त की।

कलेक्टर जांगिड़ ने विद्यार्थियों से सांझा किए सफलता के सूत्र

भारतमत संवाददाता

मुरैना। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आयोजित ÷भविष्य से भेंट÷ कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के विभिन्न विद्यालयों में प्रेरणादायक संवाद सत्रों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में शनिवार को कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने अंबाह विकासखंड के शासकीय प्राथमिक विद्यालय, भुआ का पुरा में विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद कर उन्हें सफलता के मूल मंत्र बताए।कलेक्टर ने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने जीवन में आने वाले उतार-चढ़ाव का साहस और संतुलन के साथ सामना करने तथा सदैव प्रसन्नचित्त रहने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने बच्चों को स्कूल किट भी वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि 1 से 4 अप्रैल तक आयोजित प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत मुरैना जिले के 106 विद्यालयों में जिला एवं खंड स्तर के अधिकारियों ने विद्यार्थियों से संवाद कर अपने अनुभव सांझा किए और उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम के पश्चात कलेक्टर ने ग्रामीणों से रूबरू होकर उनकी समस्याएं सुनीं, जिनमें सड़क, बिजली, पानी एवं कृषकों से जुड़े मुद्दे प्रमुख रहे। उन्होंने इन समस्याओं के त्वरित निराकरण का आश्वासन दिया।

पुरानी अदालत चौराहा पर सार्वजनिक पेयजल प्याऊ प्रारंभ

भारतमत संवाददाता

सबलगढ़। पुरानी अदालत चौराहे पर जनता के लिए सार्वजनिक पेयजल प्याऊ का शुभारंभ किया गया है। उक्त पुण्य कार्य सबलगढ़ नगर के वयोवृद्ध समाजसेवी रामजी लाल बंसल के सौजन्य से किया गया है। विदित हो कि श्री बंसल ने अपनी धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती कमला बंसल की स्मृति में जनता को इस भीषण गर्मी में सार्वजनिक पेयजल उपलब्ध कराने वाटर कूलर लगवा कर प्याऊ प्रारंभ कराई है। प्याऊ प्रारंभ करने के पूर्व पंडित आचार्य बंटी शर्मा कुल्हौली वाले द्वारा विधि विधान से वैदिक रीति से मंत्रोच्चार कर वाटर कूलर का पूजन कराया गया तथा श्री बंसल द्वारा फीता काटकर वाटर कूलर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के दौरान श्री बंसल का समाजसेवी योगेश हरदैनियाँ द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया व अंत में मिष्ठान वितरण किया गया।

ऊँ श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर पत्रकार विजय को दी श्रद्धांजलि

भारतमत संवाददाता

जौरा। ऊँ श्री मनकामेश्वर महादेव मंदिर पर विगत दो दिन पहले दैनिक भास्कर के संवाददाता के निधन के बाद श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस मौके पर जौरा विधायक पंकज उपाध्याय, नगर पालिका अध्यक्ष अखिल महेश्वरी, पूर्व विधायक महेश दत्त मिश्रा, पूर्व विधायक सूबेदार सिंह रजौधा, पूर्व विधायक मनीराम धाकड़, अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष अशोक सिंघल, भाजपा नेता मनोज सिकरवार, पत्रकार जगदीश शुक्ला, पत्रकार जयप्रकाश पाराशर, समाज सेवी रुद्र दुबे मंजीतपुरा एवं अग्रवाल समाज के लोग मौजूद रहे। अग्रवाल महासभा के अध्यक्ष डॉ अशोक सिंघल ने शोक सभा में दिवंगत पत्रकार विजय गुप्ता के परिवारीजनों को सांत्वना एवं दिलासा दी। सभा में सभी लोगों ने पत्रकार विजय गुप्ता की फोटो पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी एवं उनकी आत्म शांति हेतु भगवान के श्री चरणों में जाने की प्रार्थना की। इस मौके पर ग्वालियर, मुरैना व जौरा दैनिक भास्कर सहित अन्य समाचार पत्रों के प्रतिनिधि व परिवार द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मोघे बाबू हनुमान मंदिर में छप्पन भोग एवं भंडारा आयोजित

भारतमत संवाददाता

जौरा। नगर के हृदय स्थल तहसील चौराहा सदर बाजार में स्थित मोघे बाबू हनुमान मंदिर में हनुमान भक्तों ने सुंदरकांड रामायण 56 भोग लगवा कर प्रसादी वितरण का भी आयोजन किया गया। सदर बाजार में वर्षो पुराना हनुमान मंदिर है जिसे मोघे बाबू बरसों पूर्व महाराष्ट्र से जौरा आए, ट्रेजरी में अकाउंटेंट थे, उन्होंने ही अपनी निजी जगह में वर्षो पूर्व हनुमान मंदिर की स्थापना की थी। मंदिर की साफ सफाई पूजा अर्चना करने वाले बनवारी वर्मा ने जन सहयोग के माध्यम से हनुमान मंदिर मैं काम कराया गया। हनुमान भक्तों ने इस अवसर पर सुंदरकांड रामायण के साथ 56 भोग लगाया। सुंदरकांड पाठ के बाद कन्या भोजन एवं भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महात्मा गांधी सेवा आश्रम के अध्यक्ष पीवी राजगोपालन राजू भाई, डोंगर शर्मा, पत्रकार जयप्रकाश पाराशर, प्रोफेसर बीके गर्ग, बंटी मुद्गल, रूपकिशोर गर्ग, युवा समाजसेवी आशीष सोनू गर्ग के साथ मंदिर पहुंचकर हनुमान जी से आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में दिए गए सहयोग के लिए बनवारी गर्ग, सौरभ गुप्ता, सोनू गर्ग ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नाइट कॉम्बिंग गश्त में बड़ी कार्रवाई, 94 अपराधी गिरफ्तार

भारतमत संवाददाता

मुरैना। शुक्रवार शनिवार की रात्रि पुलिस द्वारा जिले भर के सभी थानों में चलाए गए नाइट कांबिंग गश्त के दौरान 8000 रूपए के दो इनामी बदमाश सहित 94 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया ।पुलिस अधीक्षक समीर सौरव के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र पाल सिंह डावर के मार्गदर्शन में शुक्रवार-शनिवार की मध्यरात्रि को जिलेभर में व्यापक नाइट कॉम्बिंग गश्त अभियान चलाया गया। इस दौरान जिले के समस्त अनुभागों एवं थाना क्षेत्रों में कुल 217 पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहे। अभियान के तहत संबंधित अनुविभागीय अधिकारी एवं थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सघन चेकिंग एवं तलाशी अभियान चलाया। शहर क्षेत्र में नगर पुलिस अधीक्षक दीपाली चंदौरिया, थाना स्टेशन रोड प्रभारी संजय बरैया, कोतवाली प्रभारी अरूण कुशवाह, सिविल लाइन प्रभारी प्रदीप शर्मा तथा पुलिस लाइन से निरीक्षक दर्शन शुक्ला सहित अन्य अधिकारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस विशेष गश्त के दौरान पुलिस ने 21 स्थायी वारंटी, 70 गिरफ्तारी वारंटी सहित 3,000 रूपए के इनामी बदमाश सुरेन्द्र गुर्जर एवं 5,000 रूपए के इनामी भूरा गुर्जर समेत अन्य वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तीन बार के पार्षद कारखुर ने बीजेपी छोड़ी कांग्रेस में शामिल

भारतमत संवाददाता

मुरैना। नगर निगम राजनीति में शनिवार को बड़ा घटनाक्रम सामने आया, जब भारतीय जनता पार्टी के तीन बार के पार्षद रह चुके नरेश कारखुर ने पार्टी छोड़कर कांग्रेस का दामन थाम लिया। उन्होंने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। यह सदस्यता ग्रहण शनिवार विधायक दिनेश गुर्जर के चंबल कॉलोनी स्थित कार्यालय पर हुई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मधुराज तोमर एवं शहर कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र जाटव भी मौजूद रहे।कांग्रेस नेताओं ने नरेश कारखुर का पार्टी पट्टा और फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष मधुराज तोमर ने कहा कि नरेश कारखुर के पार्टी में शामिल होने से संगठन को मजबूती मिलेगी और वे कांग्रेस की नीतियों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे। नरेश कारखुर ने कांग्रेस में शामिल होने के बाद कहा कि वे पार्टी की विचारधारा से प्रभावित होकर इसमें शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का दामन थामकर वे खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और अब तन-मन-धन से पार्टी के लिए कार्य करेंगे। साथ ही उन्होंने आगामी चुनावों में कांग्रेस को विजय दिलाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का भरोसा भी दिलाया। पार्टी प्रवक्ता हरीश पाठक ने जानकारी देते हुए बताया कि नरेश कारखुर के कांग्रेस में शामिल होने पर पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई है। इस दौरान पूर्व लोकसभा प्रत्याशी सत्यपाल सिंह सिकरवार, नेता प्रतिपक्ष विनीत कंसाना सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाने के नाम पर खानापूर्ति शहर में समस्या जस की तस

भारतमत संवाददाता

मुरैना। शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर प्रशासन और नगर निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े होने लगे हैं। पिछले दो दिनों से डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी तहसीलदार के नेतृत्व में नगर निगम अमले द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है, लेकिन यह कार्रवाई बिना किसी ठोस योजना के मनमाफिक तरीके से किए जाने के आरोपों में घिर गई है।जानकारी के अनुसार शहर के विभिन्न मार्गो पर अतिक्रमण की स्थिति जस की तस बनी हुई है। कहीं भी स्थायी समाधान नजर नहीं आ रहा है। शुक्रवार को स्टेशन रोड पर कुछ गुमटी संचालकों के खिलाफकार्रवाई की गई, वहीं शनिवार को नाला नंबर दो जाहर सिंह मार्ग पर मदाखलत टीम द्वारा अभियान चलाया गया। हालांकि, कार्रवाई के महज एक घंटे बाद ही स्थिति फिर पहले जैसी हो गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर निगम प्रशासन अब तक सदर बाजार क्षेत्र में हाथ ठेले और फुटपाथ पर दुकान लगाने वालों को हॉकर्स जोन में व्यवस्थित नहीं कर पाया है, जबकि इस विषय को लगभग छः माह बीत चुके हैं। ऐसे में अस्थायी कार्रवाई से समस्या का समाधान संभव नहीं दिख रहा।लोगों का यह भी कहना है कि संबंधित अधिकारी बिना ठोस रणनीति और वरिष्ठ अधिकारियों के स्पष्ट मार्गदर्शन के कार्रवाई कर रहे हैं, जिससे केवल दिखावटी प्रयास हो रहे हैं। आमजन में इसको लेकर नाराजगी बढ़ती जा रही है। शहर में लगातार जाम और अव्यवस्थित ट्रैफिक की समस्या बनी हुई है। अतिक्रमण हटाने के बावजूद यातायात व्यवस्था में कोई खास सुधार देखने को नहीं मिल रहा है। नागरिकों का मानना है कि जब तक प्रशासन ठोस योजना बनाकर स्थायी समाधान नहीं करेगा, तब तक इस तरह की कार्रवाई केवल औपचारिकता ही साबित होगी।

कार-बाइक की भिड़ंत में दो लोगों की मौत एक घायल

भारतमत संवाददाता

जौरा। बाइक एवं कार की आमने-सामने टक्कर में बाइक सवार दो लोगों की दुःखद मौत हो गई। जब कि कार सवार गंभीर घायल है, जिसे जिला चिकित्सालय रैफर किया गया है। सब इंस्पेक्टर पंकज यादव व प्रधान आरक्षक प्रवेंद्र तोमर से मिली जानकारी के अनुसार 3 अप्रैल को 6 बजे के लगभग जौरा की तरफ से कैलारस की तरफ कार जा रही थी, वहीं दूसरी तरफ से बाइक आ रही थी अग्रोता पेट्रोल पंप के पास दोनों में आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक पर सवार शाहिद उर्फ भूरा खान पुत्र सलीम खान 30 वर्ष निवासी गुर्ज का पुरा विचपरी एवं पीरु खान निवासी सहसराम की मौके पर ही दुःखद मृत्यु हो गई, जबकि कार मैं सवार बंटी कुशवाह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों मृतकों को सिविल अस्पताल पहुंचाया व घायल बंटी कुशवाह को जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया। बताया जाता है कि पीरु खान की बिटिया की 10 अप्रैल को शादी थी, वह अपने रिश्तेदार शाहिद खान के साथ अगरोता गांव में बिटिया की शादी के कार्ड लगाकर जौरा की तरफ आ रही थी कि अचानक एक्सीडेंट हो गया पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

'काश इसके मरने की खबर...'

प्रेग्नेंसी की खबर पर सफाई पेश करके बुरा फंसी पूनम

पूनम पांडे उन गिनीचुनी अदाकाराओं में से एक हैं जो कि अपनी हरकतों की वजह से अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं. भले ही पूनम पांडे के पास काम न हो, लेकिन वो लाइमलाइट बटोरने का मौका हाथ से नहीं जाने देती हैं. यही वजह है कि इस समय भी हर किसी की नजर पूनम पांडे पर बनी हुई है. कुछ समय पहले ही सोशल मीडिया पर पूनम पांडे ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की थीं. इन तस्वीरों में पूनम पांडे का बेबी बंप नजर आया था. पूनम पांडे का ये हाल देखकर फैंस घबरा गए थे. फैंस को लगने लगा था कि पूनम पांडे मां बनने वाली हैं. हालांकि जल्द ही पता चला कि पूनम पांडे लोगों को बेवकूफ बना रही है. पूनम पांडे मां नहीं बनने वाली हैं. बस अप्रैल फूल डे के मौके पर पूनम पांडे ने एक छोटा सा प्रैंक किया था. इस प्रैंक की वजह से पूनम पांडे एक बार फिर से लाइमलाइट में आ गईं. वहीं लोग पूनम पांडे पर गुस्सा करते नजर आए. इसी बीच पूनम पांडे ने अपने इस प्रैंक पर चुप्पी तोड़ दी है. पूनम पांडे ने बताया है कि उन्होंने ये फेक न्यूज सोशल मीडिया पर क्यों फैलाई.

पूनम पांडे ने फेक प्रेग्नेंसी पर किया ये कमेंट

हाल ही में पूनम पांडे को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया. यहां पर पूनम पांडे ने अपनी तस्वीरों का सच फैंस को बताया. अपनी फेक प्रेग्नेंसी के बारे में बात करते हुए पूनम पांडे ने कहा, अच्छा लगा. मीडिया ने पूनम से पूछा कि ये मजाक था या फिर सच... जिसके जवाब में पूनम पांडे ने कहा, सच कैसे हो सकता है? क्या मैं आपको कहीं से प्रेग्नेंट लग रही हूं. 2 दिन पहले ही तो हम मिले थे. 2 दिन में कोई प्रेग्नेंट होता है क्या. मीडिया को तो सच पता ही था. अप्रैल फूल बनाया आपको.. फूल पसंद हैं. जिसका जवाब मिला कि हमें तो कलियां पसंद हैं. बातों ही बातों में पूनम पांडे बोली, मैंने सबको फूल बना दिया और सब बन भी गए. चारों तरफ लड़ाई चल रही है. मैंने सोचा कि चलो क्यों न कुछ अलग काम किया जाए. थोड़ा तो एंटरटेनमेंट चाहिए ना...

ऋचा को दिल्ली हाईकोर्ट से फटकार

● **फ्लाइट में छेड़छाड़ के आरोप वाले पोस्ट को रीशेयर करना पड़ा महंगा**

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्ट्रेस ऋचा चड्ढा समेत कई लोगों को सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर सख्त टिप्पणी करते हुए फटकार लगाई है। मामला एक ऐसी घटना से जुड़ा है, जिसमें एक व्यक्ति पर फ्लाइट के दौरान कथित गलत व्यवहार के आरोप लगाए गए थे और बिना पूरी जांच के उसे सोशल मीडिया पर 'छेड़छाड़ करने वाला' तक कह दिया गया। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर साझा की गई सामग्री ने एफआईआर की सीमाओं को पार कर दिया और तथ्यों की पुष्टि किए बिना ही व्यक्ति को दोषी ठहराने की कोशिश की गई। जस्टिस विकास महाजन ने इस तरह की पोस्ट्स को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए कहा कि इससे न सिर्फ मामले को सनसनीखेज बनाया गया, बल्कि न्याय प्रक्रिया पर भी असर पड़ा। अदालत के अनुसार, कुछ पोस्ट्स में संबंधित व्यक्ति की तस्वीर के साथ 'मॉलेस्टर' जैसे शब्द बड़े अक्षरों में लिखे गए थे, जिससे उसकी छवि को गंभीर नुकसान पहुंचा। कोर्ट ने इसे प्रथम दृष्टया मानहानि का मामला मानते हुए कहा कि इस तरह की पोस्ट्स किसी की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचा सकती हैं और उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित कर सकती हैं।

क्या है मामला?

यह पूरा मामला 11 मार्च की एक फ्लाइट से जुड़ा है, जिसमें एक महिला पत्रकार ने एक यात्री पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया था। हालांकि, आरोपित व्यक्ति ने इन सभी आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि वह पूरी यात्रा के दौरान अपनी सीट पर ही था और फ्लाइट खत्म होने से पहले सो रहा था। विवाद तब और बढ़ गया जब सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए उस व्यक्ति की पहचान, फोटो और पेशेवर जानकारी सार्वजनिक कर दी गई, जबकि उस समय तक आधिकारिक तौर पर मामला दर्ज भी नहीं हुआ था। इसके बाद इस पोस्ट को कई लोगों और मशहूर हस्तियों ने शेयर किया, जिससे मामला तेजी से फैल गया। ऋचा चड्ढा ने भी इस पोस्ट को री-शेयर करते हुए टिप्पणी की थी, जिससे यह और ज्यादा वायरल हो गया।

कोर्ट ने इस पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह के कदम किसी व्यक्ति के निष्पक्ष सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन करते हैं। अदालत ने अपने अंतरिम आदेश में स्पष्ट किया कि बिना जांच और सबूतों के किसी को दोषी ठहराना न सिर्फ गैर-जिम्मेदाराना है, बल्कि यह कानून के मूल सिद्धांतों के भी खिलाफ है।

'मंगल-देश की बेटी' के लिए दीपिका सिंह को फैंस ने दी बधाई

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है 'मंगल लक्ष्मी', जो अब अपने नए अध्याय 'मंगल-देश की बेटी' के साथ दर्शकों के सामने आ रहा है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती हैं। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं। दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, ''''मंगल-देश की बेटी' के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं। उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। उन्होंने अपने फैंस से हर एपिसोड देखने की अपील करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे सोमवार से शुक्रवार रात 8:30 बजे इस शो का आनंद लेते रहेंगे।

'राइज एंड फॉल' जीतने के बाद अर्जुन बिजलानी की होगी 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' में एंट्री?

अर्जुन बिजलानी टीवी के सबसे पॉपुलर और पसंदीदा एक्टर्स में से एक हैं. उन्होंने सीरियल्स में एक्टिंग से लेकर शोज में होस्टिंग तक हर चीज में अपने टैलेंट दिखाया है.

इतना ही नहीं, 2025 में उन्होंने रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल' जीतकर अपनी लोकप्रियता और भी बढ़ा ली. यही वजह है कि जब हाल ही में Prime Video ने करण जौहर का हिट रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' अनाउंस किया, तो अर्जुन का नाम संभावित कंटेस्टेंट्स में खूब चर्चा में आ गया. लेकिन सवाल अब यह है कि क्या वह सच में इस शो में शामिल होंगे या नहीं. आइए जानते हैं पूरी अपडेट. बातचीत में अर्जुन ने बताया कि उनसे 'द ट्रेटर्स इंडिया सीजन 2' के लिए अप्रोच किया गया था. हालांकि, मेकर्स और उनके बीच बातचीत बन नहीं पाई. इसका मतलब है कि वह इस बार इस रियलिटी शो का हिस्सा नहीं होंगे.

वर्षों पहले रितेश ने देखा था 'छत्रपति शिवाजी' पर फिल्म बनाने का सपना

अभिषेक ने सुनाया 'भाई' का किस्सा

अभिनेता अभिषेक बच्चन अपनी पहली मराठी फिल्म 'राजा शिवाजी' के जरिए मराठी सिनेमा में डेब्यू करने को तैयार हैं। मुंबई फिल्म कंपनी और जियो स्टूडियोज की इस फिल्म में अभिषेक संभाजी शाहजी भोसले का दमदार रोल निभाते नजर आएंगे। फिल्म का फर्स्ट लुक टीजर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा है। अभिषेक बच्चन ने बताया कि यह फिल्म उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक खास अनुभव है। उन्होंने कहा, 'रितेश देशमुख, जिन्हें मैं अपना भाई मानता हूं, इस फिल्म का सपना बहुत सालों से देख रहे थे। करीब 25 साल पहले जब मैं लातूर में फिल्म 'जमीन' की शूटिंग कर रहा था, तब रितेश पहली बार मिले थे। उसी समय उन्होंने मुझे बताया था कि वह एक दिन छत्रपति शिवाजी महाराज पर फिल्म बनाना चाहते हैं।' अभिषेक ने आगे कहा कि रितेश देशमुख इस फिल्म को निर्देशित कर रहे हैं और यह मराठी सिनेमा के लिए एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा, 'रितेश ने अपनी पिछली फिल्म में साबित कर दिया है कि वह कितने बेहतरीन निर्देशक हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि 'राजा शिवाजी' मराठी सिनेमा के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। ' फिल्म का टीजर रिलीज होते ही दर्शकों ने इसकी भव्यता, एक्शन और वीरता की तारीफ की है। टीजर में अभिषेक बच्चन एक योद्धा के रूप में नजर आ रहे हैं, जो अपने छत्रपति शिवाजी महाराज के साथ खड़े नजर आएंगे। राजा शिवाजी में रितेश देशमुख के साथ अभिषेक बच्चन के अलावा संजय दत्त, विद्या बालन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, बोमन ईरानी, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते और जेनेलिया देशमुख जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

'बिहार मेरी पहचान की नींव है'

पंकज त्रिपाठी ने टोक्यो में बिहार दिवस पर जताया गर्व

दुनिया के अलग-अलग देशों में बसे भारतीय जब अपनी संस्कृति और परंपराओं को मनाते हैं, तो वह सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि अपनी पहचान और जड़ों से जुड़ने का एक खास मौका बन जाता है। जापान की राजधानी टोक्यो में भी ऐसा ही एक भावनात्मक माहौल देखने को मिला, जब बिहार दिवस के अवसर पर भारतीय समुदाय एकत्र हुए। इस खास मौके पर अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने अपने विचार साझा किए और बताया कि कैसे बिहार की मिट्टी ने उनके व्यक्तित्व को गहराई से आकार दिया है। इस अवसर पर पंकज त्रिपाठी ने बताया कि उनकी सादगी, संघर्ष और संवेदनशीलता सब कुछ बिहार से ही आया है। उन्होंने कहा, ''बिहार की मिट्टी से जो सादगी और संघर्ष मिलता है, वही मेरी पहचान की नींव है। बिहार सिर्फ एक राज्य नहीं, बल्कि एक एहसास है, जो हर बिहारी के भीतर हमेशा जीवित रहता है। मुझे यहां भी वही अपनापन महसूस हो रहा है, क्योंकि यहां मौजूद हर व्यक्ति के दिल में बिहार बसा हुआ है। यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास है।'उन्होंने कहा, ''बिहार के लोग कठिन परिस्थितियों में भी मेहनत, ईमानदारी और सपनों के साथ आगे बढ़ते हैं। यही कारण है कि आज दुनिया भर में बिहारी अपनी मेहनत और काबिलियत से पहचान बना रहे हैं। चाहे कला हो, शिक्षा, व्यापार या सार्वजनिक सेवा, हर क्षेत्र में बिहारी लोग लगातार अपना योगदान दे रहे हैं और भारत की छवि को मजबूत कर रहे हैं। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, ''विदेश में आयोजित ऐसे कार्यक्रम हमें अपनी जड़ों से जोड़ते हैं। ये हमें हमारी संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों की याद दिलाते हैं। यह मेरे जीवन के शुरुआती संघर्षों और सफर की याद दिलाता है, जिसने मुझे आज एक सफल कलाकार बनाया।' पंकज त्रिपाठी ने कहा, ''इस कार्यक्रम में अपने परिवार के साथ शामिल होना मेरे लिए और भी भावनात्मक अनुभव है। यह सिर्फ एक राज्य का जश्न नहीं है, बल्कि यह अपनी आने वाली पीढ़ी को अपनी पहचान और संस्कृति से जोड़ने का एक जरिया भी है। वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ते समय अपनी जड़ों से जुड़े रहना बेहद जरूरी है। उन्होंने बिहार को एक ऐसी कहानी बताया जो विरासत, सीख और असीम संभावनाओं से भरी है। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि वह खुद को इस कहानी का एक छोटा सा हिस्सा मानते हैं।

साभार : एजेंसी

चेक बाउंस मामला :

दिल्ली हाईकोर्ट में राजपाल यादव के खिलाफ दायर मामले पर फैसला सुरक्षित

बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और दमदार अभिनय के लिए हिंदी सिनेमा में अलग पहचान स्थापित करने वाले राजपाल यादव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। चेक बाउंस मामले में फंसे अभिनेता को लेकर अब सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। फैसला अगली तारीख पर सुनाया जाएगा। दिल्ली हाई कोर्ट ने अभिनेता राजपाल यादव के खिलाफ दायर चेक बाउंस मामले पर सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया। कोर्ट ने गुरुवार को सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों के बीच विवाद सुलझाने का प्रयास किया, लेकिन कोई समझौता नहीं हो सका। वहीं, अभिनेता का कहना है कि वह कोर्ट के हर फैसले का सम्मान करेंगे। मामले में राजपाल यादव के वकील एडवोकेट भास्कर उपाध्याय का कहना है कि कोर्ट के सामने अपनी सारी बातें रखी हैं और कोर्ट ने हमारे पक्ष को सुना। मामला अगली सुनवाई तक के लिए सुरक्षित रख लिया गया है। राजपाल यादव कोर्ट के फैसले का सम्मान करते हैं और हर फैसला मानने के लिए तैयार हैं। वकील ने यह भी कहा कि अभिनेता का मामला बीते कई सालों से एकतरफा चला आ रहा है और उनसे लगातार बढ़ाकर पैसे मांगे गए हैं। अभिनेता का भी 18-20 करोड़ का नुकसान हुआ है, उसको लेकर कहीं सुनवाई नहीं हो रही है।

जहर ने छीना प्यारः विवाद के बाद दंपति ने दी जान डेढ़ साल की मासूम हुई अनाथ

भारतमत रिपोर्टर

शिवपुरी। लुकवासा चौकी क्षेत्र से एक बेहद मार्मिक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है, जहां आपसी विवाद के बाद एक युवा दंपति ने जहर खाकर आत्मघाती कदम उठा लिया। इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई, जिससे डेढ़ साल की मासूम बच्ची के सिर से माता-पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया।जानकारी के अनुसार, 22 वर्षीय चंद्रपाल आदिवासी और उसकी 21 वर्षीय पत्नी सावित्री पिछले करीब छह महीनों से लुकवासा क्षेत्र में श्रीनाथ होटल के पास स्थित एक कृषि फार्म पर मजदूरी कर रहे थे। दोनों ने करीब तीन साल पहले प्रेम विवाह किया था और तब से साथ रह रहे थे। परिवार से अलग होकर उन्होंने अपने जीवन की नई शुरुआत की थी, लेकिन यह सफर दर्दनाक अंत में बदल गया। बताया जा रहा है कि 1 अप्रैल की रात करीब 10 बजे किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से और आवेश में आकर दोनों ने अपनी झोपड़ी में जहरीला पदार्थ खा लिया। कुछ ही देर में हालत बिगड़ने लगी तो पास में रह रहे साथी मजदूरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों को कोलारस स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति को देखते हुए उसी रात उन्हें शिवपुरी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया। मेडिकल कॉलेज में जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ते हुए शुक्रवार रात करीब 9 बजे सावित्री ने दम तोड़ दिया। पत्नी की मौत के लगभग 12 घंटे बाद शनिवार सुबह 9 बजे चंद्रपाल ने भी आखिरी सांस ली। इस तरह महज एक दिन के भीतर एक पूरा परिवार उजड़ गया। इस दर्दनाक घटना का सबसे करुण पक्ष यह है कि दंपति की डेढ़ साल की मासूम बच्ची अब अनाथ हो गई है, जिसे यह भी समझ नहीं कि उसके जीवन में क्या बड़ा हादसा हो गया है। पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम कर मर्ग कायम कर लिया है। महिला का पोस्टमार्टम तहसीलदार की निगरानी में डॉक्टरों के पैनल द्वारा कराया गया, जबकि पुरुष का भी विधिवत पीएम किया गया है। लुकवासा चौकी पुलिस मामले की जांच में जुटी है और मर्ग डायरी मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जंगल में मौत का सामना, महुआ बीनते बुजुर्ग पर भालू का हमला, ग्रामीणों ने दिखाई हिम्मत

भारतमत रिपोर्टर

शिवपुरी। तेंदुआ थाना क्षेत्र के कोटा नाका जंगल में शनिवार सुबह एक खौफनाक मंजर देखने को मिला, जब महुआ बीनने गए एक बुजुर्ग पर अचानक भालू ने जानलेवा हमला कर दिया। कुछ ही पलों में शांत जंगल चीख-पुकार से गूंज उठा।कोटा नाका गांव निवासी बल्ला जाटव रोज की तरह सुबह करीब 5 बजे जंगल पहुंचे थे। महुआ बीनते वक्त उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि झाड़ियों में छिपा भालू उन पर टूट पड़ेगा। अचानक हुए हमले में भालू ने उन्हें बुरी तरह घायल कर दिया। चीख सुनकर पास में मौजूद ग्रामीण दौड़े और जान जोखिम में डालकर शोर मचाते हुए भालू को खदेड़ा। ग्रामीणों की बहादुरी से बुजुर्ग की जान तो बच गई, लेकिन वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को पहले खरई स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, फिर हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल शिवपुरी और वहां से ग्वालियर रेफर किया गया। फिलहाल उनका इलाज जारी है और स्थिति स्थिर बताई जा रही है। वन विभाग ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने फिर चेतावनी दी है कि जंगल में इस समय भालुओं की सक्रियता बढ़ी हुई है, ऐसे में अकेले जाना जानलेवा साबित हो सकता है।

शिवपुरी की रचना शेरसिंह को बड़ी जिम्मेदारी महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव बनीं

भारतमत रिपोर्टर

शिवपुरी। मध्य प्रदेश महिला कांग्रेस के संगठन विस्तार में शिवपुरी जिले को बड़ी सौगात मिली है। प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रीना बोरासी की अनुशंसा और अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लाम्बा की स्वीकृति से जारी प्रथम सूची में शिवपुरी की सक्रिय कार्यकर्ता श्रीमती रचना शेरसिंह जाटव को प्रदेश महासचिव नियुक्त किया गया है। इस निर्णय ने जिले की राजनीति में नई ऊर्जा का संचार कर दिया है।श्रीमती रचना शेरसिंह जाटव लंबे समय से कांग्रेस संगठन में जमीनी स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने महिला सशक्तिकरण, सामाजिक मुद्दों और संगठन विस्तार के लिए निरंतर कार्य किया है। गांव-गांव तक पहुंचकर महिलाओं को जोड़ने और पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने में उनकी अहम भूमिका रही है। उनकी सक्रियता, संगठन क्षमता और समर्पण को देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। इस नियुक्ति के बाद शिवपुरी जिले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। कार्यकर्ताओं का मानना है कि रचना जाटव के प्रदेश स्तर पर पहुंचने से जिले की आवाज और मजबूत होगी तथा महिला कांग्रेस को नई दिशा मिलेगी। यह नियुक्ति न केवल उनके व्यक्तिगत कार्यों की सराहना है, बल्कि शिवपुरी में महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने का भी सशक्त संदेश है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह फैसला संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति का हिस्सा है। वहीं, रचना जाटव से अपेक्षा की जा रही है कि वे अपने नए दायित्व का निर्वहन करते हुए संगठन को और अधिक सक्रिय व प्रभावी बनाएंगी।

कायस्थ समाज की बैठक में हुआ तय

हर वर्ष की भांति इस बार भी चित्रगुप्त प्राकट्योत्सव पर भव्य चल समारोह निकलेगा

शिवपुरी। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आगामी 23 अप्रैल को कायस्थ समाज अपने आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त जी के प्राकट्योत्सव पर भव्य चल समारोह निकालने का निर्णय लिया है, भगवान श्री चित्रगुप्त जी के चल समारोह के आयोजन की व्यापक तैयारी हेतु विगत दिवस कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष अनुराग अस्थाना के निवास पर महासभा के सभी पदाधिकारियों की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें सर्वसम्मति से 23 अप्रैल 2026 को भगवान श्री चित्रगुप्त जी की शोभा यात्रा के आयोजन का निर्णय लिया गया, चल समारोह के आयोजन को लेकर कायस्थ महासभा के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री डी पी कुलश्रेष्ठ ने बताया चित्रगुप्त प्रकटोत्सव पर आगामी 23 अप्रैल को प्रातः 9. बजे पुरानी शिवपुरी स्थित श्री चित्रगुप्त मंदिर में भगवान श्री चित्रगुप्त जी का विशेष अभिषेक तथा हवन का आयोजन होगा साथ ही मंदिर में को फूलबंगला से सजाया जाएगा इसके पश्चात भगवान को छप्पन भोग लगाकर चित्रगुप्त जी की महाआरती की जायेगी। चल समारोह की तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए आयोजन समिति के प्रभारी श्री विवेक श्रीवास्तव, कायस्थ महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रामस्वरुप श्रीवास्तव, ने बताया कि इस बार भगवान श्री चित्रगुप्त जी के चल समारोह का प्रारम्भ पुरानी शिवपुरी स्थित चित्रगुप्त मंदिर से सायं 4. बजे किया जाएगा जिसमें भगवान श्री चित्रगुप्त जी को विशाल रथ में आरूढ़ कर रथ पुरानी शिवपुरी से गुरुद्वारा चौराहे से मां राज राजेश्वरी मंदिर से होता हुआ सदर बाजार से मुख्य चौराहे से न्यू ब्लॉक स्थित जलमंदिर मैरिज गार्डन पहुंचेगा जहां भगवान श्री चित्रगुप्त जी की महाआरती के साथ ही सभी सम्माननीय समाज जनों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई है इस अवसर पर कायस्थ महासभा के कोषाध्यक्ष श्री नरेंद्र श्रीवास्तव श्री वीरेंद्र श्रीवास्तव एवं श्री भूपेंद्र भटनागर ने सभी समाज बंधुओ से उक्त चल समारोह में अधिक से अधिक संख्या शामिल होने का आग्रह किया है । अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की महिला प्रकोष्ठ की जिला अध्यक्ष श्रीमती शिवानी भटनागर, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती ऋषिका अस्थाना, श्रीमती सुनीता गौड़, एवं अन्य सभी पदाधिकारियों ने जिले की समस्त कायस्थ मातृशक्ति से चल समारोह में परिवार सहित उपस्थित होने एवं मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया है। चल समारोह के आयोजन के दौरान निर्धारित किए गए मार्ग की व्यवस्था का दायित्व संभाल रहे महासभा की युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष चिराग खरे, एवं दुष्यंत माथुर ने बताया कि चल समारोह के मार्ग शहर की कई समाज सेवी संस्थाओं के साथ साथ कई व्यापारिक प्रतिष्ठान एवं अन्य सम्माननीय समाज सेवी बंधुओ द्वारा भी इस चल समारोह का पुष्प वर्षा से स्वागत की विशेष तैयारी की जा रही है।। कायस्थ महासभा के सांस्कृतिक सचिव शैलेश भटनागर, सचिव अनिल निगम, प्रदेश सचिव रुपेश श्रीवास्तव, वरिष्ठ संरक्षक मदन बिहारी श्रीवास्तव, विकेश श्रीवास्तव, जगमोहन श्रीवास्तव, एवं अन्य सभी पदाधिकारियों ने भगवान श्री चित्रगुप्त जी चल समारोह में जिले के सभी समाज बंधुओ को अधिक से अधिक संख्या उपस्थित होने का विनम्र अनुरोध किया है।

पोहरी में बैनरो पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सहित अन्य पदाधिकारियों के फोटो घायब

भारतमत रिपोर्टर

पोहरी । विगत दिवस कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल अजय सिंह के शिवपुरी आने पर कांग्रेस पार्टी की अंतर्कलह सामने आ गई। दरअसल जिले की 5 विधानसभा सीटों में एक मात्र सीट पोहरी है जिसमें कांग्रेस के विधायक कैलाश कुशवाह है । आपको बता दें कि कैलाश कुशवाहा कांग्रेस में आने से पहले ये मूलतः भाजपा के थे पिछले विधानसभा चुनाव में बीएसपी से दो बार चुनाव लड़े फिर कमलनाथ ने इन्हें कांग्रेस में शामिल कर कांग्रेस का टिकिट दिया और ये सीट कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत और जनता के अपार समर्थन से कांग्रेस ने अपने झोली में कर ली । लेकिन अब स्थानीय कांग्रेसियों का कहना है कि ढाई साल से ऊपर विधायक को बने हो गए है लेकिन विधायक अपनी व्यक्तिगत राजनीति में लगे हुए है। भाजपा और बीएसपी से चली आ रही व्यक्तिगत टीम को ही सपोर्ट करते है ,और इस विपरीत परिस्थिति में भी कांग्रेस का मूल कार्यकर्ता अपनी जमीन ढूंढने में लगा है,जब भी कोई नेता आता है या कोई भी कार्यक्रम संगठन को दरकिनार करके अपनी प्राइवेट टीम को आगे करना ये विधायक की फितरत है ,,हाल ही में पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह के कार्यक्रम में भी विधायक कैलाश कुशवाह ने स्वागत बैनर लगवाए लेकिन उसमें कांग्रेस की मूल कड़ी संगठन या संगठन का मुखिया देखने को नहीं मिला क्या पार्टी अपने विधायकों पर कोई लगाम नहीं लगती कि मूल कार्यकर्ता का क्या स्थान होना चाहिए,,,ऐसे ही मूल कार्यकर्ताओं की उपेक्षा यदि होती रही तो परिणाम कुछ भी हो सकता है। अब सवाल ये है कि जहां कांग्रेस सरकार बनाने के सपने देखने में लगी है वहीं मूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपेक्षा होना कहां तक ठीक है।

भाजपा कार्यालय पर हुआ नव नियुक्त प्रदेश भाजपा प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा का स्वागत

भारतमत रिपोर्टर

शिवपुरी। भारतीय जनता पार्टी के नव नियुक्त प्रदेश प्रवक्ता धैर्यवर्धन शर्मा के शिवपुरी आगमन पर भाजपा कार्यालय कोठी नंबर 1 पर भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव के नेतृत्व में भव्य एवं जोशीला स्वागत किया गया। इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में जसवंत जाटव ने कहा कि श्री शर्मा जी की नियुक्ति से पार्टी में हर्ष का माहौल हैं और इससे संगठन को मजबूती मिलेगी। पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे ने कहा कि श्री शर्मा भाजपा के पुराने नेता हैं और वह विभिन्न पदों पर रहे हैं उनमे सबको साथ लेकर चलने की क्षमता हैं। इस अवसर पर स्वागत करने वालों में जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव, पूर्व विधायक नरेंद्र बिरथरे, जिला महामंत्री केपी परमार, जिला उपाध्यक्ष हेमंत ओझा, जिला मंत्री नीरज तोमर, जिला मीडिया प्रभारी मुकेश जैन पत्रकार, मंडल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा, युवा भाजपा नेता प्रशांत राठौर,श्रीमती उषा भार्गव, राजकुमार राठौर,अमन मिश्रा,गौरव गुप्ता सहित अन्य कई भाजपा नेता एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया रविवार को शिवपुरी में, मेगा स्वास्थ्य शिविर के सहयोगियों का करेंगे आभार व्यक्त

होटल पीएस में आभार सभा शाम 7 बजे

भारतमत रिपोर्टर

शिवपुरी। जनसेवा को अपना धर्म मानने वाले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया 5 अप्रैल को एक दिवसीय प्रवास पर शिवपुरी पहुंच रहे हैं। उनके आगमन को लेकर भाजपा संगठन और कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस दौरान वे पिछले माह आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर की सफलता में योगदान देने वाले सभी सहयोगियों का सम्मान और आभार व्यक्त करेंगे।भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री सिंधिया ईसागढ़ से शाम 5 बजे प्रस्थान कर लगभग शाम 7 बजे होटल पी.एस. पहुंचेंगे। यहां आयोजित विशेष आभार सभा में वे उन सभी लोगों को सम्मानित करेंगे, जिन्होंने 16 मार्च से 24 मार्च तक आयोजित मेगा स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि यह स्वास्थ्य शिविर जिले के लिए शिवपुरी मेडिकल कॉलेज में ऐतिहासिक साबित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाएं मिलीं और स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नया कीर्तिमान स्थापित हुआ। इस आयोजन में प्रशासन, समाजसेवी संस्थाओं और भाजपा कार्यकर्ताओं का समन्वय देखने को मिला। इस आभार सभा में भाजपा जिलाध्यक्ष जसवंत जाटव के साथ जिला महामंत्री लवलेश जैन, योगेंद्र रघुवंशी, के.पी. परमार, सांसद प्रतिनिधि राकेश गुप्ता, हरिओम राठौर, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हरवीर रघुवंशी, केशव सिंह तोमर, विजय शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी मुकेश जैन (पत्रकार), जिला मंत्री नीरज तोमर एवं अशोक ठाकुर सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। भाजपा संगठन ने जिले के सभी पदाधिकारियों, देवतुल्य कार्यकर्ताओं, समाजसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में शाम 7 बजे होटल पी.एस. पहुंचकर इस आभार सभा को सफल बनाएं।

परिवार के साथ-साथ समाज सेवा का लक्ष्य निर्धारित कर विद्यार्थी बन सकते हैं महान : युगल किशोर शर्मा

शिवपुरी/करैरा। मध्यप्रदेश में संचालित 'स्कूल चलें हम' अभियान के तहत शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेशोत्सव के अंतर्गत उत्कृष्ट विद्यालय करैरा में भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वरिष्ठ पत्रकार युगल किशोर शर्मा ने विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान करते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति सजग एवं ध्येय-निष्ठ बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि युगल किशोर शर्मा एवं विद्यालय के प्राचार्य अरविन्द यादव द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत विद्यार्थियों से संवाद करते हुए श्री शर्मा ने कहा कि केवल अध्ययन करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित कर उसी दिशा में निरंतर प्रयास करना ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में ऐसा लक्ष्य निर्धारित करें, जिसमें परिवार के साथ-साथ समाज सेवा का भाव भी निहित हो। उन्होंने यह भी कहा कि महान व्यक्तित्वों के जीवन का अध्ययन कर उनसे प्रेरणा लेना और निरंतर आत्मविकास पर ध्यान देना आवश्यक है। उनके प्रेरक उद्बोधन से विद्यार्थियों में विशेष उत्साह एवं जागरूकता का वातावरण बना।

कार्यक्रम में शिक्षक भानु भार्गव ने विषय चयन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी, जबकि राजकुमार गुप्ता ने स्वरोजगार एवं शासकीय सेवाओं में उपलब्ध अवसरों पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को पुस्तक वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रवेशोत्सव का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में नामांकन बढ़ाना तथा बच्चों को उत्साहपूर्ण वातावरण में शिक्षा से जोड़ना है। इस अवसर पर शिक्षक नरेंद्र श्रीवास्तव, संजय दुबे, पूजा शर्मा, राजकुमार गुप्ता, भानु भार्गव, रामकुमार शुक्ला, दिलीप जोशी एवं राबिया बानो सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण श्रीवास्तव, द्वारा भारतमत प्रेस कालका 51, सत्यदेव नगर गांधी रोड, ग्वालियर से मुद्रित एवं 27 बहार खाण्डे राव गेट गांधी भवन के सामने, झांसी से प्रकाशित , RNI No. UPHIN/2013/52735 स्थानीय संपादक तपस्वी श्रीवास्तव मो. 8518882202, फोन. 0510-2351835